संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 348
पृष्ठ 8
गुरूवार
10 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- टैनिंग दूर करने से लेकर...

विचार- सत्य निकेतन हादसा: जिम्मेदार...

खेल- वैभव सूर्यवंशी को बड़े मैचों का...

बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाई तो दो ही जगह होगी- जेल या जहन्नुम

पोषण माह के शुभारंभ पर सीएम योगी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से किया संवाद

वाराणसी,संवाददाता। सीएम योगी बुधवार को वाराणसी में थे। यहां उन्होंने पहले की सपा सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा– घर से बाहर कैसे निकलें, 9 साल पहले यह सवाल था। कहां तक जाना है, आज यह सवाल है। पहले घर से बाहर निकलने में बेटियां डरती थीं, आज ऐसी कोई चिंता नहीं। हमने कह दिया है कि बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाई तो दो ही जगह होगी– जेल या जहन्नुम। हम उन लोगों में नहीं हैं कि वोटबैंक के लिए किसी माफिया के सामने गिड़गिड़ाएं। योगी पिंडरा में कामकाजी महिला सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बहुत सारे लोग आएंगे जो बात करेंगे, नई घोषणाएं करेंगे, जाति के नाम पर बांटेंगे। लेकिन, जब किसी दुर्दांत माफिया पर कार्रवाई की बात

आएगी, तो इनकी सिट्टी–पिट्टी गुम हो जाती है। ये सब मौन हो जाते हैं। उसके सामने गिड़गिड़ाते नजर आते हैं। इससे पहले योगी ने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में राष्ट्रीय पोषण माह–2026 का शुभारंभ किया। इस मौके पर योगी ने कहा कि 2017 में जब मैं आया, तो मैंने पूछा कि आखिर आंगनवाड़ी केंद्रों की इतनी खराब स्थिति क्यों है? शिकायतें क्यों आती हैं? तब पता चला कि आंगनवाड़ी केंद्रों पर जो पोषाहार जा रहा था, उसकी सप्लाई उत्तर प्रदेश का एक शराब माफिया करता था। मैं यह सुनकर भौचक्का रह गया। हमने पोषाहार की गुणवत्ता की जांच कराई, तो उस पर भी सवाल खड़े हुए। मैंने पूछा कि क्या वह हर महीने पोषाहार भेजता है? जवाब मिला– अरे नहीं साहब, वह तो तीन महीने में एक बार भेज दे तो भेज दे, नहीं तो सब भगवान भरोसे है। उन्होंने कहा कि पहले लाचारी दिखती थी। यह लाचारी उस समय के सिस्टम की वजह से थी। इससे पहले सीएम ने नवजात बच्चों का अन्नप्राशन कराया। बेटियों को गोद में उठाकर खीर खिलाई। राधा–कृष्ण की वेशभूषा में आए बच्चों को देखकर सीएम ने उन्हें दुलार किया और खिलौने भी दिए।

सीएम आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के काउंटर पर भी पहुंचे। उनके कामकाज के बारे में पूछा। साथ ही स्वयं सहायता समूहों और एनजीओ के साथ मिलकर तैयार किए गए उत्पादों के बारे में भी जानकारी ली।

सीएम ने ओडिशा, गुजरात, तमिलनाडु और गोरखपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। गोरखपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संध्या से सीएम ने पूछा– केंद्र पर आने वाले अति कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने के लिए आपने क्या प्रयास किए?

कैबिनेट के अहम फैसले:

रेलवे के सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर होंगे फोर-ट्रैक, कई रूटों पर बढ़ेगी क्षमता

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार रेलवे के आधुनिकीकरण पर लगातार जोर दे रही है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि आज की बैठक में रेलवे आधुनिकीकरण से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई। ये परियोजनाएं पिछले 12 वर्षों से चल रहे रेलवे के व्यापक बदलाव और आधुनिकीकरण के काम का हिस्सा हैं। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के पूर्ण ओवरहाल और आधुनिकीकरण की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके तहत सात हाई–डेंसिटी रेलवे कॉरिडोर को फोर–ट्रैक और क्वाड्रुपल करने की योजना है। इन कॉरिडोर पर ट्रैक क्षमता बढ़ाने का काम किया जाएगा, ताकि भविष्य में इन मार्गों पर बढ़ने वाले यातायात का दबाव संभाला जा सके। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के हाई–डेंसिटी कॉरिडोर को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली–मुंबई, मुंबई–चेन्नई, चेन्नई–कोलकाता और कोलकाता–दिल्ली मार्ग मिलकर

गोल्डन क्वाड्रिलेटरल बनाते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली–चेन्नई और मुंबई–कोलकाता इसके दो डायगोनल हैं। इसके अलावा दिल्ली–गुवाहाटी कॉरिडोर भी इस योजना में शामिल है। इस तरह कुल सात हाई–डेंसिटी कॉरिडोर को क्वाड्रुपल यानी चार–लेन किया जा रहा है। वैष्णव के मुताबिक, इन सभी परियोजनाओं पर चरणबद्ध तरीके से काम आगे बढ़ रहा है। फिलहाल करीब 4,000 किलोमीटर के हिस्से के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। कैबिनेट समिति ने बुधवार को रेलवे मंत्रालय की तीन मल्टी–ट्रैकिंग परियोजनाओं को भी मंजूरी दे दी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 10,783 करोड़ रुपये है। इनके पूरा होने के बाद भारतीय रेलवे के नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। मंजूर की गई परियोजनाओं में खड़गपुर–झारसुगुड़ा के बीच चौथी लाइन और कटनी–पेंड्रा रोड सेक्शन में चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। इसके अलावा बिलासपुर (उसलापुर)–पेंड्रा रोड सेक्शन में तीसरी लाइन बनाई जाएगी। सरकार के मुताबिक, अतिरिक्त रेल लाइन बनने से इन मार्गों की क्षमता बढ़ेगी।

सरकार पैसे दे रही तो काम क्यों नहीं हो रहा-राहुल गांधी

रायबरेली,संवाददाता। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली में बुधवार को बैठक में कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय को अपने मोबाइल पर टूटी सड़कें दिखाईं। राहुल ने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेटिंग कमेटी (दिशा) की मीटिंग में जर्जर सड़कों और गड्ढों की तस्वीरें दिखाकर च्क अधिकारियों और डीएम से पूछा कि सड़कों की हालत ऐसी क्यों है? राहुल ने कहा कि जब सरकार फंड दे रही है तो काम क्यों नहीं हो रहा है? आप लोग क्या कर रहे हैं? इस मीटिंग में ऊंचाहार से ठश्रच विधायक मनोज पांडेय, एमएलसी और राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे। कलेक्ट्रेट में करीब ढाई घंटे बैठक से पहले राहुल ने सुबह जनता दरबार लगाया, जहां महिला कांग्रेस नेता ने उन्हें राखी बांधी। राहुल ने यहां सपा नेताओं ने भी मुलाकात की। कार्यक्रमों के बाद राहुल लखनऊ रवाना हो गए, जहां से वे दिल्ली जाएंगे। 2024 में सांसद बनने के बाद राहुल का यह 8वां रायबरेली दौरा था। इससे पहले वे 19–20 मई को दो दिवसीय दौरे पर आए थे। राहुल मंगलवार दोपहर दिल्ली से एयर इंडिया की फ्लाइट से लखनऊ पहुंचे थे। पहली बार में विमान लैंड नहीं कर पाया था। 25 मिनट हवा में चक्कर लगाने के बाद दूसरे प्रयास में विमान ने लैंडिंग की थी। रायबरेली में सपा विधायक राहुल लोधी, श्याम सुंदर भारती ने दिशा की मीटिंग के दौरान हॉल के बाहर प्रदर्शन किया। हालांकि, राहुल के पहुंचने से पहले पुलिस ने उनसे पोस्टर और बैनर छीन लिए। पोस्टर पर लिखा था– स्कूल बंद, फर्जी मुकदमे लिखे जा रहे, जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। जिले में आम लोगों की समस्याएं जस की तस हैं, तो ऐसे में दिशा की बैठक का क्या औचित्य है?

असम के कछार में 23 करोड़ की याबा गोलियां बरामद, एक गिरफ्तार

गुवाहाटी,एजेंसी। नौ सितंबर असम के कछार जिले में 23 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त कर इस सिलसिले में एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने मंगलवार रात सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि कछार पुलिस ने लखीपुर के शिवपुर में एक ट्रक में छिपा कर रखी गईं 23 करोड़ रुपये मूल्य की 2.3 लाख याबा गोलियां जब्त की हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अभियान के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। शर्मा ने इस निर्णायक कार्रवाई के लिए असम पुलिस की सराहना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ राज्य की लड़ाई पूरी ताकत से जारी रहेगी। याबा गोलियों को थाई में 'क्रेजी मेडिसिन' कहा जाता है, एक बहुत ज़्यादा लत लगाने वाली दवा है। यह मादक पदार्थ देश में अवैध है, क्योंकि इसमें मेथमफेटामीन और कैफीन होता है। मेथमफेटामीन को स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत अनुसूची–दो में रखा गया है।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर ने पूरा वंदे मातरम गाया

श्रीनगर,एजेंसी। श्रीनगर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और जम्मू–कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की मौजूदगी में पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। इस पर उमर की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा कि गठबंधन के सहयोगियों पर शर्तें थोपने का अधिकार कांग्रेस का नहीं है।

छात्र को नोटिस पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

मजिस्ट्रेट की हिम्मत कैसे हुई

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ग्रेटर नोएडा के एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट की कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई। मामला गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के दूसरे वर्ष के छात्र अक्षत त्रिपाठी को जारी नोटिस से जुड़ा है। यह मामला वरिष्ठ अधिवक्ता बिश्वजीत भट्टाचार्य ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने उठाया। उन्होंने बताया कि छात्र को पांच लाख रुपये के निजी मुचलके का नोटिस दिया गया

था। वकील के मुताबिक, यह कार्रवाई तब की गई, जब सुप्रीम कोर्ट छात्र प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर रद्द कर चुका है और छात्रों के खिलाफ भविष्य में किसी भी तरह की जबरन कार्रवाई पर रोक लगा चुका है। चार सितंबर 2026 को जारी नोटिस में पुलिस रिपोर्ट का हवाला दिया गया था। पुलिस ने आरोप लगाया था कि अक्षत त्रिपाठी विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच सरकार विरोधी और भ्रामक बातें फैला रहे थे। उन पर छात्रों को कॉकरेच्च जनता पार्टी यानी सीजेपी के प्रस्तावित धरने में शामिल होने के लिए उकसाने का भी आरोप लगाया गया। पुलिस रिपोर्ट में कहा गया कि उनकी कथित गतिविधियों से काफी तनाव पैदा हुआ।

भाजपा चलाएगी संकल्प सेवा अभियान

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देशभर में एक महीने तक सेवा संकल्प अभियान चलाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नितिन नवीन ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में अभियान की घोषणा की। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक चलेगा। नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल 7 अक्तूबर 2026 को पूरे होंगे। मोदी ने 7 अक्तूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की थी। इसके बाद करीब 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के बाद वह 2014 में देश के प्रधानमंत्री बने। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष ने बुधवार को कहा कि उनकी जनसेवा की यात्रा लगातार जारी है और पार्टी इस अवसर पर संकल्प सेवा अभियान चलाएगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने श्संकल्प से सिद्धिश तक की यात्रा में कई उपलब्धियां हासिल की हैं और उनके नेतृत्व में देश में व्यापक बदलाव आया है। नितिन नवीन ने कहा कि जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी, उस समय देश में श्अंधकार का माहौलश था।

सरकारी नौकरीः रेलवे में नौकरी का सुनहरा मौका, पैरामेडिकल के 560 पदों पर होगी भर्ती

प्रयागराज। स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में अपना कॅरिअर बनाने का सपना देख रहे युवाओं के लिए भारतीय रेलवे एक बड़ा अवसर लेकर आया है। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने पैरामेडिकल श्रेणी में विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए संक्षिप्त अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत 560 रिक्त पदों को भरा जाएगा। स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में अपना कॅरिअर बनाने का सपना देख रहे युवाओं के लिए भारतीय रेलवे एक बड़ा अवसर लेकर आया है। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने पैरामेडिकल श्रेणी में विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए संक्षिप्त अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत 560 रिक्त पदों को भरा जाएगा। इन पदों पर आवेदन की प्रक्रिया 15 सितंबर से शुरू होगी। उम्मीदवार 14 अक्तूबर तक अपना आवेदन अंतिम रूप से जमा कर सकेंगे। यह पूरी प्रक्रिया केवल ऑनलाइन माध्यम से ही संपन्न होगी। इस भर्ती के तहत नर्सिंग सुपरिटेंडेंट (जीएनएम/बीएससी), लैब टेक्नीशियन, रेडियोलॉजी टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट और आप्टोमेट्रिस्ट जैसे महत्वपूर्ण पद शामिल हैं। इसमें चयनित होने वाले अभ्यर्थियों को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत पे–लेवल 3 से पे–लेवल 7 के अनुसार बेहतर वेतनमान और सुविधाएं दी जाएंगी। हालांकि, शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा की विस्तृत व सटीक जानकारी जल्द जारी होने वाले विस्तृत विज्ञापन के माध्यम से स्पष्ट की जाएगी। बोर्ड के अनुसार आयु सीमा की गणना एक जनवरी 2027 को आधार मानकर की जाएगी।

अंतिम तिथि के बाद दस्तावेज जमा नहीं कर सकते अभ्यर्थी, कोर्ट ने खारिज की अपील

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम तिथि के साथ स्पष्ट रूप से यह शर्त तय है कि समय सीमा के बाद दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे तो कटऑफ तिथि के बाद पात्रता प्रमाणपत्र दाखिल कर कमी पूरी नहीं की जा सकती। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम तिथि के साथ स्पष्ट रूप से यह शर्त तय है कि समय सीमा के बाद दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे तो कटऑफ तिथि के बाद पात्रता प्रमाणपत्र दाखिल कर कमी पूरी नहीं की जा सकती। अभ्यर्थी यह दलील भी नहीं दे सकता कि आवश्यक पात्रता पहले से थी, केवल उसका प्रमाण बाद में प्रस्तुत किया गया। यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने वाराणसी की नेहा राव की विशेष अपील पर दिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की इंस्ट्रक्टर भर्ती से जुड़ी विशेष अपील पर दिया। कॉस्मेटोलॉजी ट्रेड के इंस्ट्रक्टर पद के लिए तीन साल का अनुभव जरूरी था। आयोग ने तीन फरवरी 2023 के नोटिस में 28 फरवरी की मध्यरात्रि तक सभी दस्तावेज अपलोड करने का आदेश दिया था। साथ ही स्पष्ट किया था कि इसके बाद कोई अवसर नहीं मिलेगा।

अपीलकर्ता ने निर्धारित अवधि में ऐसा अनुभव प्रमाणपत्र अपलोड किया, जिसमें पांच महीने का अनुभव कम था। बाद में उसने 10 जनवरी 2022 को जारी दूसरा प्रमाणपत्र पेश कर कमी पूरी करने की कोशिश की लेकिन आयोग ने उसे स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि बाद के नोटिस में तय नकारात्मक शर्त भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा थी और अभ्यर्थी ने उसे चुनौती भी नहीं दी थी। इसलिए तय समय तक दूसरा प्रमाणपत्र अपलोड न करने से उसने शॉर्टलिस्टिंग और चयन का अधिकार खो दिया। कोर्ट ने अपील खारिज कर दी।

सेंट्रल बार एसोसिएशन लखनऊ के अध्यक्ष–महामंत्री का अधिवक्ता पंजीकरण निलंबित

प्रयागराज। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश ने सेंट्रल बार एसोसिएशन, लखनऊ के अध्यक्ष अखिलेश जायसवाल और महामंत्री अवनीश दीक्षित का अधिवक्ता पंजीकरण निलंबित कर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश ने सेंट्रल बार एसोसिएशन, लखनऊ के अध्यक्ष अखिलेश जायसवाल और महामंत्री अवनीश दीक्षित का अधिवक्ता पंजीकरण निलंबित कर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दोनों के खिलाफ मामला सुनवाई के लिए अनुशासन समिति को सौंपा गया है। बार कौंसिल की आठ सितंबर को वर्चुअल बैठक में पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र मिश्र नगरहा के प्रस्ताव पर इस मामले में गंभीरता से विचार किया गया। कहा गया कि बार कौंसिल की 23 अगस्त 2026 की सामान्य बैठक में इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ की ओर से सेंट्रल बार एसोसिएशन के चुनाव के संबंध में पारित आदेश और एल्डर्स कमेटी के गठन के संबंध में निर्णय लिया गया था। इसी के तहत एल्डर्स कमेटी को चुनाव कराने के लिए अधिकृत किया गया था। बार कौंसिल के पांच सदस्यों के पर्यवेक्षण में चुनाव कराने के निर्देश भी दिए गए थे।

प्रस्ताव में आरोप लगाया गया कि बार कौंसिल के निर्णय को सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और महामंत्री ने अपने सदन में रखकर खारिज कर दिया, जिसे बार कौंसिल ने असांविधानिक बताया। इसे अधिवक्ता अधिनियम–1961 की धारा–35 के तहत व्यासायिक कदाचार माना गया है। बार कौंसिल ने दोनों पदाधिकारियों का अधिवक्ता पंजीकरण निलंबित कर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही उन्हें अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है। मामले को अध्यक्ष शिवा किशोर गौड़ और प्रतिनिधि सदस्य श्रीनाथ त्रिपाठी की अनुशासन समिति को सौंपा गया है, जो सुनवाई के बाद उचित आदेश पारित करेगी।

कटऑफ तक बीटीसी पास नहीं तो नियुक्ति का हक नहीं, अभ्यर्थियों को कोर्ट से नहीं मिली राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती से जुड़े मामले में चार अभ्यर्थियों को राहत देने से इन्कार कर याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि भर्ती में निर्धारित अंतिम तिथि तक अभ्यर्थी के पास जरूरी शैक्षिक योग्यता होना अनिवार्य है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती से जुड़े मामले में चार अभ्यर्थियों को राहत देने से इन्कार कर याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि भर्ती में निर्धारित अंतिम तिथि तक अभ्यर्थी के पास जरूरी शैक्षिक योग्यता होना अनिवार्य है। बाद में बैक पेपर पास कर लेने से पात्रता पिछली तारीख से नहीं मानी जा सकती। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने बलिया निवासी दिलीप कुमार यादव व तीन अन्य की याचिका पर दिया। 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 22 दिसंबर 2018 थी। इसमें दो वर्षीय बीटीसी प्रशिक्षण प्रमाणपत्र आवश्यक योग्यता था। याचिकाकर्ता उस समय बीटीसी परीक्षा में सफल नहीं हुए थे। बाद में उन्होंने बैक पेपर दिया। अगस्त 2019 को उनका बीटीसी प्रमाणपत्र जारी हुआ। इसके बावजूद उनका आवेदन स्वीकार हुआ, उन्हें भर्ती परीक्षा में शामिल होने का मौका मिला और बाद में चयन के बाद बलिया में सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्ति भी दी गई। उन्हें वेतन भी मिलता रहा। वर्ष 2025 में बेसिक शिक्षा अधिकारी ने उनकी पात्रता की जांच की और सेवा समाप्त कर दी।

यूपीईएसएससी : असिस्टेंट प्रोफेसर के 1936 पदों पर विज्ञापन जारी, आवेदन शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के अशासकीय अनुदानित महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1,936 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी हो गया है। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और अभ्यर्थी सात अक्तूबर तक शुल्क जमा कर आवेदन कर सकेंगे।

प्रदेश के अशासकीय अनुदानित सह–शिक्षा महाविद्यालयों और महिला महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर भर्ती के लिए मंगलवार देर शाम विज्ञापन जारी हो गया है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने 1,936 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन (संख्या 04/2026) जारी किया है।

उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए आवेदन प्रक्रिया में वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) व्यवस्था लागू की है। विज्ञापित पदों के सापेक्ष निर्धारित अर्हता और पात्रता रखने वाले अभ्यर्थी ही आवेदन करेंगे। अभ्यर्थियों के लिए विस्तृत विज्ञापन एवं निर्देश पुस्तिका आयोग की वेबसाइट https://upessc-up-gov-in/ पर उपलब्ध है। आयोग के उप सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन प्रक्रिया आठ सितंबर से प्रारंभ हो गई है। ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि सात अक्तूबर निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन में 11 अक्तूबर तक संशोधन कर सकेंगे। सहायक आचार्य पदों के लिए लिखित परीक्षा 19 और 20 नवंबर को है।

आयोग के अध्यक्ष ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे आवेदन करने से पहले विज्ञापन में दी गई शैक्षिक योग्यता, विषयवार पदों, आयु सीमा, आरक्षण, आवेदन प्रक्रिया तथा अन्य शर्तों को अच्छी तरह पढ़ लें और निर्धारित समय–सीमा के भीतर अपना आवेदन पूर्ण करें।

किराये के मकान में दुर्घटनावश मौत पर मालिक को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते : हाई कोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किराये के मकान में दुर्घटनावश मौत पर मालिक को आपराधिक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इसके लिए अभियोजन को मकान मालिक की ऐसी विशिष्ट लापरवाही या चूक का प्रथमदृष्टया साक्ष्य देना होगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किराये के मकान में दुर्घटनावश मौत पर मालिक को आपराधिक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इसके लिए अभियोजन को मकान मालिक की ऐसी विशिष्ट लापरवाही या चूक का प्रथमदृष्टया साक्ष्य देना होगा, जिसका मौत से सीधा और निकट संबंध हो। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की एकल पीठ ने छात्र की मौत के मामले में याची मकान मालिक अवधेश सिंह के खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी।

कानपुर नगर के काकादेव थाने में याची के खिलाफ परिजनों ने एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि छात्र आठ महीने से याची के मकान में किराये पर रहकर आईआईटी की तैयारी कर रहा था। एक दिसंबर 2025 को उन्हें छात्र की मौत की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर छात्र का शव मकान के बाथरूम में मिला था।

आरोप...बाथरूम में गैस गीजर लगा था, पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं था

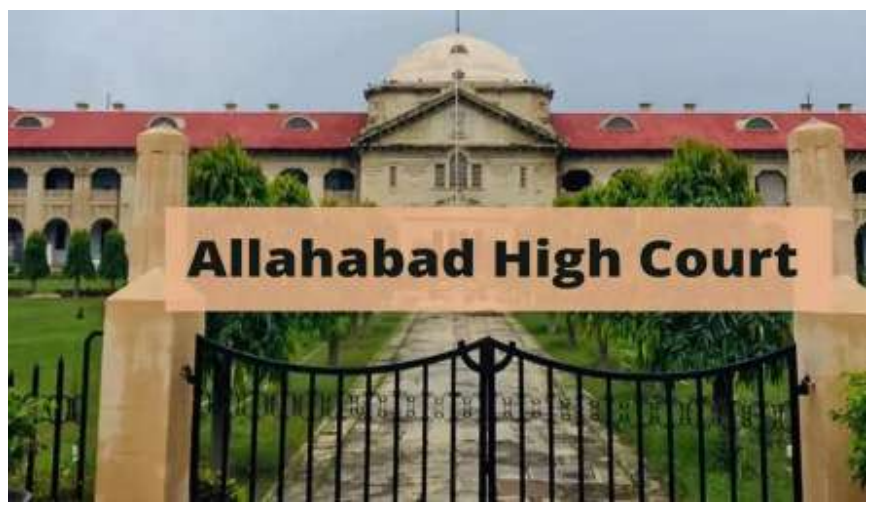

एफआईआर में आरोप लगाया गया कि बाथरूम में गैस गीजर लगा था और पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं था। ऐसे में आशंका जताई गई कि गीजर से निकली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस के कारण छात्र की मौत हुई। जांच के बाद पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ लापरवाही से मौत मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी। ट्रायल कोर्ट ने संज्ञान/समन आदेश जारी किया तो याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

सिर्फ अंदाजे पर आपराधिक केस नहीं चल सकता

कोर्ट ने कहा कि छात्र की मौत दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मकान में केवल मौत होने से बीएनएस की धारा–106 के तहत मालिक को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है कि गीजर सुरक्षा मानकों के खिलाफ लगाया गया था, वह खराब था। इसकी जानकारी मकान मालिक को थी या पहले कभी लीकेज की शिकायत के बाद भी उसने ठीक नहीं कराया। केवल अंदाजे पर आपराधिक केस नहीं चल सकता। ऐसे में कोर्ट ने आपराधिक की पूरी कार्यवाही रद्द कर दी।

आवेदन, ना इंटरव्यू, सीधे ज्वाइनिंग का आदेश, शिक्षा विभाग के अधिकारियों का बड़ा गड़बड़झाला

प्रयागराज। धर्मेंद्र चौधरी, पूरन कुमार व काशीराम... ये तीनों ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने सरकारी नौकरी के लिए ना तो आवेदन किया, ना इंटरव्यू दिए ना कभी ड्यूटी पर गए। इसके बावजूद इन तीनों को सोरांव के मेवा लाल अयोध्या प्रसाद स्मारक इंटर कॉलेज में परिचारक पद पर ज्वाइन कराने का आदेश जारी हो गया। कॉलेज के प्रबंधक सोमधर द्विवेदी ने बताया कि अप्रैल 2008 में चार रिक्त पदों के सापेक्ष भर्ती कराने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। 24 जून 2008 को साक्षात्कार होना था लेकिन किन्हीं कारणों से इसे स्थगित करना पड़ गया था। धर्मेंद्र चौधरी, पूरन कुमार व काशीराम ने इस नियुक्ति के लिए आवेदन ही नहीं किया था।

कॉलेज के रिकॉर्ड में कहीं भी तीनों के नाम दर्ज नहीं हैं जबकि तीनों का दावा है कि वे वर्ष 2008 से काम कर रहे हैं। मामला हाईकोर्ट पहुंचा तो 20 दिसंबर 2022 को प्रयागराज के तत्कालीन डीआईओएस पीएन सिंह ने हाईकोर्ट के निर्देश पर जांच कर अपनी रिपोर्ट में नियुक्ति के दावों को गलत ठहराया था। 18 अगस्त को वर्तमान डीआईओएस संतोष कुमार राय ने कॉलेज के प्रधानाचार्य को पत्र के जरिये निर्देशित किया कि मंडलीय समिति के आदेश के क्रम में धर्मेंद्र, पूरन कुमार व काशी राम को कॉलेज में कार्यभार ग्रहण कराते हुए आगे की कार्रवाई तय करें। इस आदेश के बाद प्रबंधक व प्रधानाचार्य कॉलेज के 2008 से अब तक के अभिलेख लेकर अफसरों को दिखा रहे हैं जिसमें तीनों के कोई भी प्रमाण नहीं हैं।

मामला 2008 का है। दोनों पक्षों से अभिलेख मांगे थे लेकिन कोई अभिलेख नहीं मिल सके। प्रबंधक ने अब सारे अभिलेख दिखाए हैं। हमने फिर से दोनों पक्ष से अभिलेख मांगे हैं उसके बाद दोबारा निर्णय लिया जाएगा। –आरएन विश्वकर्मा, जेडी, प्रयागराज मंडल

यह हमारा निर्णय नहीं था। मंडलीय समिति के आदेश पर ही कार्यभार ग्रहण कराने के निर्देश दिए थे। कॉलेज के प्रबंधक की ओर से इस पर आपत्ति की गई है। मंडलीय समिति दोबारा मामले की जांच करेगी। –संतोष कुमार राय, डीआईओएस

डिवाइडर तोड़ ट्रक–पिकअप में टक्कर, दोनों चालकों की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज–प्रतापगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोगापुर फोरलेन स्थित सब्जी मंडी के पास सोमवार देर रात सड़क हादसा हो गया। प्रतापगढ़ की ओर से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर और बिजली का खंभा तोड़ते हुए दूसरी लेन में घुस गया और सामने से आ रही पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रक चालक ने एसआरएन अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पिकअप का खलासी गंभीर रूप से घायल है। सोमवार की देर रात एक पिकअप वाहन प्रयागराज से सरकारी स्पोर्ट्स लाइट लादकर गोरखपुर जा रही थी। वहीं, प्रतापगढ़ की तरफ से आ रहा एक खाली ट्रक गिट्टी लादने प्रयागराज की ओर जा रहा था। जोगापुर सब्जी मंडी के पास ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर, बिजली के खंभे और केबल तोड़ता हुआ रॉन्ग साइड में पहुंच गया। सामने से आ रही पिकअप से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए।

माता–पिता की चिंता कितनी भी सच्ची हो, बेटी के जीवनसाथी चुनने के अधिकार से ऊपर नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि माता–पिता की चिंता कितनी भी सच्ची क्यों न हो, वह बालिग बेटी की अपनी जिंदगी और जीवनसाथी चुनने की सांविधानिक स्वतंत्रता से ऊपर नहीं हो सकती। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि माता–पिता की चिंता कितनी भी सच्ची क्यों न हो, वह बालिग बेटी की अपनी जिंदगी और जीवनसाथी चुनने की सांविधानिक स्वतंत्रता से ऊपर नहीं हो सकती। बालिग को अपनी पसंद से जीवनसाथी चुनने और इच्छा के अनुसार जीवन जीने का अधिकार है। माता–पिता या रिश्तेदार महज अपनी असहमति के आधार पर फैसले को बदलने के लिए उसे बाध्य नहीं कर सकते।यह टिप्पणी न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकल पीठ ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए की। कोर्ट के आदेश पर बदायूं के उसावां थाने की पुलिस ने मोनी को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उससे उसकी उम्र, विवाह और परिस्थितियों के बारे में बातचीत की। मोनी ने बताया कि उसकी जन्मतिथि आठ जून 2008 है और वह बालिग हो चुकी है। कहा कि उसने 18 जुलाई 2026 को मोहित से मर्जी से शादी की थी। वह उसके साथ पत्नी के रूप में रहना चाहती है।कोर्ट ने मोहित से भी बातचीत की। उसने शादी की बात स्वीकार करते हुए मोनी के साथ रहने की इच्छा जताई। वहीं, मोनी के पिता संजीव ने भी कोर्ट में स्वीकार किया कि उनकी बेटी बालिग है। हालांकि, वह उसके विवाह और फैसले से नाराज थे। इस पर कोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता, गरिमा और जीवनसाथी चुनने का अधिकार अनुच्छेद–21 का अभिन्न हिस्सा है। बालिग की पसंद को केवल इसलिए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, क्योंकि परिवार को उसका फैसला पसंद नहीं है। कोर्ट ने मोनी को मोहित के साथ रहने की स्वतंत्रता दी। साथ ही पुलिस को दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी तरह की धमकी, दबाव या उत्पीड़न से बचाने का आदेश दिया है।

पुलिस को फोन करने के बाद दंपती ने जहर खाकर दी जान, भतीजे से विवाद के बाद उठाया आत्मघाती कदम

प्रयागराज। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के अमरोना श्रीकांत का

पुरवा में बुधवार भोर दिल दहला देने वाली घटना हो गई। गांव निवासी सुभाष तिवारी (50) और उनकी पत्नी सपना तिवारी (45) ने भतीजे से विवाद के बाद जहर खा लिया। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के अमरोना श्रीकांत का पुरवा में बुधवार भोर दिल दहला देने वाली घटना हो गई। गांव निवासी सुभाष तिवारी (50) और उनकी पत्नी सपना तिवारी (45) ने भतीजे से विवाद के बाद जहर खा लिया। खबर मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां, डाक्टरों ने सुभाष को मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत में उनकी पत्नी को प्रयागराज रेफर कर दिया गया। एसआरएन अस्पताल में महिला की भी मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।

मंगलवार रात भतीजे से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसी से आहत होकर दंपती ने सुबह करीब चार बजे यह खौफनाक कदम उठा लिया। जहर खाने से पहले सपना ने फोन कर पुलिस और मायके पक्ष को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

अग्रसेन जयंती समारोह की तैयारियों पर मंथन

प्रयागराज। अग्रसेन जयंती आयोजन समिति ने 12 अक्तूबर को होने वाले समारोह की तैयारियों के संबंध में मंगलवार को बैठक की। बैठक की अध्यक्षता राजेंद्र अग्रवाल ने की। इस दौरान समारोह को ऐतिहासिक बनाने पर चर्चा की गई। समिति ने अग्रसेन धर्मशाला की विशेष सजावट की रूपरेखा तय की। मौके पर गौरवराज अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, पवन अग्रवाल, विनय अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, संजीव अग्रवाल और मनीष अग्रवाल आदि रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़िहार की ओपीडी 650 के पार

प्रयागराज। जलभराव के कारण अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ रही है। मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़िहार में मरीजों की संख्या साढ़े छह सौ से अधिक रही। इनमें ज्यादातर मरीज टाइफाइड, मलेरिया और मौसमी बुखार से पीड़ित पाए गए। चिकित्सकों के अनुसार, मौसम की मार से दवाइयां कई दिनों तक प्रभावी नहीं हो रही हैं। टाइफाइड के मरीजों में जोड़ों में दर्द के साथ लंबे समय तक बुखार के लक्षण दिख रहे हैं। सुनीता देवी और हरिश्चंद्र ने बताया कि खून की जांच नकारात्मक आने पर भी बुखार बना हुआ है। इससे शरीर में थकान और कमजोरी महसूस होती है। चिकित्सकों का कहना है कि मौसम संवेदनशील है और दवाइयों से कहीं अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। सीएचसी कौड़िहार अधीक्षक डॉ. अमरेश वर्मा ने बताया कि अत्यधिक बारिश के बाद भी उमस भरी गर्मी लोगों की सेहत को प्रभावित कर रही है। बीते कई दिनों से ओपीडी लगातार बढ़ रही है। अस्पताल में सभी जरूरी दवाइयां तथा जांच की सुविधा उपलब्ध है।

मूर्ति खंडित करने के मामले में पुलिस शरारती तत्वों की पहचान में जुटी

प्रयागराज। कुरेसर गांव में बीते दिनों हनुमान जी मूर्ति खंडित करने के मामले में पुलिस शरारती तत्वों की पहचान में जुट गई है। रविवार की रात कुरेसर गांव में हनुमान जी के मंदिर में स्थापित मूर्ति को शरारती तत्वों ने खंडित कर बाहर फेंक दिया था। मंदिर के संरक्षक पारस नाथ दुबे की तहरीर पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आसपास के शरारती तत्वों की पहचान शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक घटना का अंजाम देने वाले शरारती तत्वों की नियत अराजकता को बढ़ावा देने का रहा, लेकिन उनके मंसूबे कामयाब नहीं होंगे।

मेहनत और प्रतिभा को सम्मान देगी योगी सरकार

चमकेगी बच्चों की प्रतिभा, 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों में होगा उपलब्धियों का सम्मान
मेधावी बच्चों के साथ अभिभावक होंगे सम्मानित

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार परिषदीय विद्यालयों के बच्चों की प्रतिभा को पहचान, प्रोत्साहन और सम्मान से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल कर रही है। योगी सरकार का जोर है कि पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला बच्चा हो, नियमित विद्यालय आने वाला हो, खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा दिखाने वाला हो या सांस्कृतिक एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में आगे रहने वालाय हर उपलब्धि को मंच मिले और हर प्रतिभा को प्रोत्साहन मिले। इसी उद्देश्य से वर्ष 2026–27 की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट के अंतर्गत प्रदेश के 1,31,918 परिषदीय विद्यालयों में वार्षिकोत्सव के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किए जाएंगे। वार्षिकोत्सव के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह 15 फरवरी 2027 से 15 मार्च 2027 के मध्य आयोजित किए जाएंगे। समारोह में ग्राम पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य, अभिभावक और अन्य संबंधित लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए अध्यापकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से तथा बच्चों द्वारा निर्मित निमंत्रण कार्ड के माध्यम से आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं। योगी सरकार की इस पहल से बच्चों की मेधा, मेहनत, नियमितता और बहुआयामी प्रतिभा को पहचान मिलने के साथ उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। पढ़ाई, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चों को सार्वजनिक मंच पर सम्मानित करने से परिषदीय

विद्यालयों में उपलब्धि आधारित सकारात्मक वातावरण को और मजबूती मिलेगी।विद्यालय स्तर पर प्रत्येक कक्षा से विगत परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एक छात्र और एक छात्रा को एक छात्र और एक छात्रा को भी सम्मानित किया जाएगा। विभिन्न खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एक छात्र–छात्रा को भी पुरस्कृत किया जाएगा। प्रत्येक कक्षा से सर्वाधिक उपस्थिति वाले अभिभावकों को सम्मानित किया जाएगा, जिनके बच्चे ने विगत परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हों अथवा विद्यालय में सर्वाधिक दिन उपस्थित रहे हों। सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक द्वारा कम से कम दो जनपदों के कुल चार विद्यालयों में कार्यक्रम का अनुश्रवण किया जाएगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कम से कम दो ब्लॉक के कुल चार विद्यालयों में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का अनुश्रवण किया जाएगा। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार बच्चों की प्रतिभा को पहचान देने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और अन्य क्षेत्रों में बेहतर करने वाले बच्चों को सम्मानित करने से उनमें आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा मजबूत होगी। यह पहल परिषदीय विद्यालयों के बच्चों की प्रतिभा को उचित मंच देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सुबह–सुबह की चाय

(छप्पय)

कर तनाव से मुक्त शान्त करती है मन को।
सुबह–सुबह की चाय सदा उर्जित कर तन को।
नव विचार के साथ जोश यह सबमें भरके।
करे सुखद शुरुआत सभी से बाते करके।
नहीं समझना चाय को मात्र एक यह पेय है।
दुख–सुख दोनों के लिए अनुपम प्रेम–प्रमेय है।।

सुबह–सुबह की चाय केतली में जब आती।
बन महफिल की शान सभी के मन को भाती।
हर चुस्की के साथ बात कर दिनचर्या पर।
बैठक होती खत्म दिवस की परिचर्चा पर।
राधा–कान्हा रंग में कप में खुद को ढाल के।
आनन्दित सबको करें हल बन सभी सवाल के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शहर समता विचार मंच की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार मंच के तत्वावधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता उमेश श्रीवास्तव ने की, रचना सक्सेना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। शोभा त्रिपाठी ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं कुशल संचालन उमा मिश्रा 'प्रीति' ने किया।

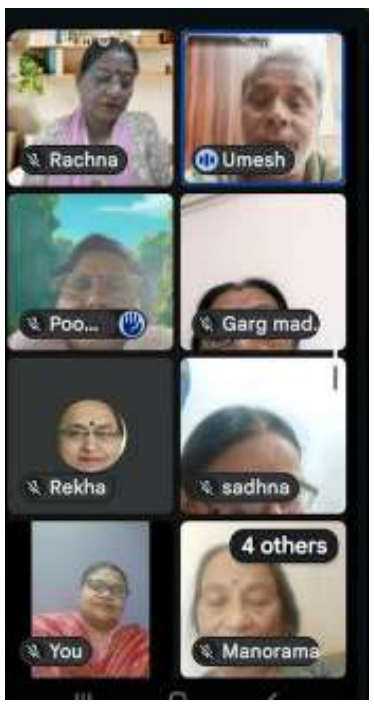

इस अवसर पर डॉ कुमारी शशि जायसवाल, पूनम पांडे, श्रद्धा श्रीवास्तव, अनीता दुबे, डा. प्रतिमा दीवान, आशा जाकड़, अनुराधा गर्ग, रेणुका पटेल, सुनीता गुप्ता, सुषमा सिंह उर्मि, साधना खरे, संतोष मिश्रा, रेखाश्रीवास्तव, मनोरमा श्रीवास्तव, अफरोजा अजीज, आरती शर्मा, साधना खरे, श्रद्धा श्रीवास्तव, सुनीता गुप्ता, सुषमा सिंह 'उर्मि', अनीता दुबे, छाया सक्सेना, संतोष मिश्रा, डॉ. शशि जायसवाल, रेणुका पटेल, पूनम पांडे, डॉ. प्रतिभा दीवान एवं शोभा त्रिपाठी आदि। सभी बहनों की सशक्त काव्य प्रस्तुतियों ने आयोजन में चार चाँद लगा दिए। अंत में उमा मिश्रा 'प्रीति' ने आभार ज्ञापन किया।

विहिप व बजरंग दल का एलयू मंदिर की बदहाली के विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू में बुधवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ता फावड़ा लेकर कैंपस में पहुंचे। जय श्रीराम के नारे लगाते हुए उन्होंने मंदिर की बदहाली के विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि मंदिर की स्थिति सुधारने के लिए पहले विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि अब वे खुद मंदिर की सफाई और मरम्मत करने आए हैं। कहा कि कैंपस में कई मजारों की स्थिति अच्छी है, जबकि मंदिरों की हालत दयनीय है। कार्यकर्ताओं ने कैंपस स्थित शिवालय की सफाई की और पूजा–अर्चना की। इस दौरान चीफ प्रॉक्टर से उनकी नोकझोंक भी हुई। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने कुलपति का पुतला फूंकने की बात कही है। कार्यकर्ताओं ने परीक्षा के दौरान बुर्का पहनकर आने वाली छात्राओं की पहचान जांच में सख्ती की मांग भी की। वहीं, प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों का कहना है कि कार्यकर्ताओं ने पूजा–अर्चना कर ली है। अब उन्हें कैंपस का माहौल खराब नहीं करना चाहिए। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे समरेंद्र सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में कई मजारें हैं, जिनकी व्यवस्था व्यवस्थित है, जबकि मंदिरों की स्थिति दयनीय है। उनका आरोप है कि कुलपति की ओर से मजारों की देखभाल के लिए व्यवस्था की गई है, लेकिन मंदिरों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे पहले विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन देकर मंदिर की स्थिति सुधारने की मांग की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब कार्यकर्ता ज्ञापन देने नहीं, बल्कि खुद मंदिर की सफाई और मरम्मत करने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर आस्था का केंद्र है और विहिप–बजरंग दल के कार्यकर्ता मिलकर इसे ठीक करेंगे। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय में परीक्षाओं के दौरान बुर्का पहनकर आने वाले छात्र–छात्राओं की पहचान जांच का मुद्दा भी उठाया। संगठन का कहना है कि बुर्के की आड़ में मोबाइल, ईयरफोन या अन्य अनुचित साधनों के इस्तेमाल की आशंका रहती है। उन्होंने परीक्षा के दौरान पहचान और जांच व्यवस्था में सख्ती की मांग की। विहिप और बजरंग दल के प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस पहले से अलर्ट रहे। विश्वविद्यालय परिसर और आसपास सुरक्षा बढ़ाई गई। पीएसी के दो वाहन परिसर में तैनात किए गए, जबकि बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को विश्वविद्यालय के प्रवेश मार्गों और आसपास के इलाकों में लगाया गया। पुलिस ने प्रदर्शन को देखते हुए पूरे क्षेत्र में निगरानी रखी।

आयुष छात्र गांधी प्रतिमा के सामने धरने पर बैठे

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में 15 साल से स्टाइपेंड नहीं बढ़ने से नाराज आयुष छात्रों ने बुधवार को हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन किया। छात्रों ने 7,500 रुपए का स्टाइपेंड बढ़ाकर 25 हजार रुपए करने की मांग की। उनका कहना है कि एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न का स्टाइपेंड बढ़ चुका है, लेकिन आयुष छात्रों को अब भी पुरानी रकम मिल रही है। छात्र डिप्टी सीएम से मुलाकात की मांग पर अड़े हैं। तेज धूप के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं गांधी प्रतिमा पर जुटे रहे। कई छात्र छाता लेकर तो कुछ पोस्टर और बैनर से सिर ढककर प्रदर्शन करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने मेहनत हमारी पूरी है, 25 हजार मांग जरूरी है और काम हमारा पूरा, स्टाइपेंड क्यों आधा–अधूरा जैसे नारे लगाए। छात्रों का कहना है कि कॉलेज में पढ़ाई के साथ मरीजों के इलाज और अस्पताल से जुड़े कार्यों में भी वे अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला स्टाइपेंड लंबे समय से जस का तस है। बढ़ती महंगाई में 7,500 रुपए प्रतिमाह में अपनी जरूरतें पूरी करना उनके लिए मुश्किल हो रहा है। डॉक्टर पवन शुक्ला ने कहा, हम आयुर्वेद के छात्र हैं और नीट की परीक्षा पास करने के बाद इस कोर्स में दाखिला लेते हैं। साढ़े चार साल की पढ़ाई के बाद एक साल की इंटर्नशिप करनी होती है। 2011 से 2026 आ गया, लेकिन हमारे स्टाइपेंड में एक रुपए की भी बढ़ोतरी नहीं हुई। बहुत से छात्र कमरा किराए पर लेकर रहते हैं। जितना स्टाइपेंड हमें मिलता है, उसमें एक कमरा भी किराए पर नहीं मिल पाता। बाकी खर्च हम कैसे पूरा करेंगे? हमें करीब 250 रुपए प्रतिदिन मिलते हैं। इससे ज्यादा तो एक दिहाड़ी मजदूर कमा लेता है। पिछले 15 साल में महंगाई कहां से कहां पहुंच गई, लेकिन हमारा स्टाइपेंड वहीं का वहीं है। हमें जो पैसा मिल रहा है, वह बेहद अपमानजनक है। इससे अच्छा है कि सरकार हमें कुछ न दे, हम मुफ्त में सेवा करने के लिए तैयार हैं। इससे पहले एमबीबीएस इंटर्न ने प्रदर्शन किया था, जिसके बाद उनका स्टाइपेंड 12 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपए कर दिया गया। हमारा काम भी उन्हीं के बराबर है। फिर हमें यह स्टाइपेंड क्यों नहीं दिया जा रहा? जब मेहनत बराबर है तो पैसा भी बराबर क्यों नहीं? प्रदर्शन कर रहे प्रखर सिंह चौहान ने कहा, पूरे प्रदेश में करीब 5 हजार आयुष इंटर्न हैं। अभी हमें 7,500 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड मिल रहा है।

नर्सिंग संवर्ग की लंबित मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई

लखनऊ (संवाददाता)। वादे हुए, सहमति बनी, आख्या भेजी गई, बैठक हुई और शासनादेश का आश्वासन भी मिला फिर भी शासनादेश क्यों नहीं?दिनांक 8 नवम्बर 2025 को राजकीय नर्सेस संघ उत्तर प्रदेश के अधिवेशन में माननीय उप मुख्यमंत्री, उत्तर

प्रदेश सरकार बृजेश पाठक ने संघ की 13 सूत्रीय मांगों में से 5 मांगों पर अपनी स्पष्ट सहमति व्यक्त की थी। इसके बाद महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तर प्रदेश द्वारा इन पांचों मांगों पर अपनी लिखित आख्या शासन को भेजी गई। दिनांक 2 फरवरी 2026 को अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्री अमित घोष जी के साथ संघ के प्रतिनिधिमंडल की बैठक हुई। बैठक में शासन स्तर पर भी मांगों पर सहमति बनी और आश्वासन दिया गया कि शीघ्र शासनादेश जारी किया जाएगा। लेकिन आज तक शासनादेश जारी नहीं हुआ। सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है समान कार्य के लिए समान भत्ते।जब एसजीपीजीआई लखनऊ, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ, केजीएमयू लखनऊ और सैफई आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में कार्यरत नर्सिंग संवर्ग का वेतनमान, शैक्षिक अर्हता, कार्य की प्रकृति एवं जिम्मेदारियां समान हैं, तो फिर भत्तों में इतनी बड़ी असमानता क्यों?यहाँ ये भी उल्लेखनीय है कि कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिस्ट कैंसर संस्थान, लखनऊ को भी उच्च संस्थानो के बराबर भत्ते नहीं प्रदान किए जा रहे हैं। एक ही प्रदेश में एक ही कार्य करने वाले नर्सिंग कर्मचारियों के साथ दोहरे मापदंड क्यों?राजकीय नर्सेस संघ उत्तर प्रदेश की मांग है कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग में कार्यरत नर्सिंग संवर्ग को भी उच्च संस्थानों के समान भत्ते तत्काल प्रदान किए जाएं। गृह जनपद नियुक्ति एवं स्थानांतरण नर्सिंग संवर्ग लंबे समय से गृह जनपद में नियुक्ति एवं स्थानांतरण की मांग कर रहा है। इस मांग पर भी सकारात्मक सहमति के बावजूद शासनादेश अभी तक लंबित है। जबकि स्थानांतरण सत्र में चुनिन्दा लोगो के स्थानांतरण गृह जनपद में किए गए शिकायत किया गया तो अभी तक जांच ही चल रही है। 2010 से नर्सिंग के उच्च पद रिक्त वर्ष 2010 से निदेशालय स्तर से लेकर चिकित्सालय स्तर तक नर्सिंग संवर्ग के महत्वपूर्ण उच्च पद रिक्त हैं। निदेशालय स्तर के चार महत्वपूर्ण पद लगातार रिक्त चल रहे हैं। नर्सिंग सेवाओं का नेतृत्व नर्सिंग संवर्ग के अधिकारियों के हाथों में होना चाहिए। वर्षों तक उच्च पदों को रिक्त रखना नर्सिंग व्यवस्था को कमजोर करने वाला कदम है।ए सी पी भी नहीं लगाया जा रहा है जबकि साल में दो बार लगाना चाहिए। क्रेचध्पालनाघर केवल कागजों में क्योंजहां महिला कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां क्रेचध्पालनाघर की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। निर्देश होने के बावजूद अधिकांश स्थानों पर यह व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित है।अब कागजी आदेश नहीं, धरातल पर व्यवस्था चाहिए। डैब छनतेपदह के लिए सवेतन अध्ययन अवकाश जब ठै.ब. छनते. पदह (च्वेज ठेंपब) के लिए दो वर्ष का सवेतन अध्ययन अवकाश दिया जा सकता है, तो डै.ब. छनतेपदह करने वाले नर्सिंग कर्मचारियों के लिए सवेतन अध्ययन अवकाश क्यों नहीं सरकार नर्सिंग संवर्ग को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करे और डै.ब. छनतेपदह हेतु सवेतन अध्ययन अवकाश का शासनादेश तत्काल जारी करे। मेडिकल कॉलेजों में समायोजन का मामला जिन जिला चिकित्सालयों को उच्चीकृत कर मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है, वहां कार्यरत नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारियों के संबंध में शासन स्तर पर यह सहमति बनी थी कि उन्हें वहीं समायोजित किया जाए अथवा पद सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में वापस किया जाए। शासन के निर्देश के बावजूद यदि निदेशालय स्तर पर कार्रवाई नहीं होती है तो यह अत्यंत गंभीर विषय है। अब आश्वासन नहीं, शासनादेश चाहिए! नर्सिंग संवर्ग ने हमेशा धैर्य रखा है। सरकार के हर आश्वासन का सम्मान किया है। लेकिन धैर्य की भी एक सीमा होती है।

पूर्व आईएएस राकेश और अभिनेत्री जारा कांग्रेस में शामिल

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस में बुधवार को ज्वाइनिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की अगुवाई में पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. राकेश वर्मा और साउथ फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री जारा खान ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी नेताओं ने दोनों का स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। जारा खान ने कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सुहेल अख्तर अंसारी और प्रदेश उपाध्यक्ष हसीब खान के माध्यम से पार्टी की सदस्यता ली। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि दोनों नए सदस्यों के पार्टी में शामिल होने से संगठन को मजबूती मिलेगी। कांग्रेस नेता हसीब खान ने कहा कि राहुल गांधी की विचारधारा और उनके मुद्दों को लेकर लोग लगातार प्रभावित हो रहे हैं। इसी वजह से कांग्रेस का

कारवां लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छात्रों और युवाओं के साथ हर कदम पर खड़ी है। जिन लोगों को न्याय के लिए भटकना पड़ता है या जिनकी शिकायतों पर मुकदमा दर्ज नहीं किया जाता, कांग्रेस उनके साथ आवाज उठाती है। हसीब खान ने दावा किया कि वर्ष 2029 में राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में भरोसा जताते हुए लोग कांग्रेस से जुड़ रहे हैं और पार्टी का संगठन लगातार मजबूत हो रहा है।

भोलानाथ कुशवाहा का नया काव्य संग्रह 'यात्रा में हैं शब्द' प्रकाशित
अनेक साहित्यकारों ने दी बधाई

मिर्जापुर। जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा का नया काव्य संग्रह 'यात्रा में हैं शब्द' प्रकाशित हो गया है। इसमें कविता समेत पद्य कीअन्य कई विधाओं की रचनायें शामिल हैं। इसे हिन्दी श्री पब्लिकेशन ने प्रकाशित किया है। सात जुलाई 1950 को जनपद के राजपुर ग्राम में जन्में श्री कुशवाहा की अब तक कुल 13 साहित्यिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनको उत्तर प्रदेश हिन्दी

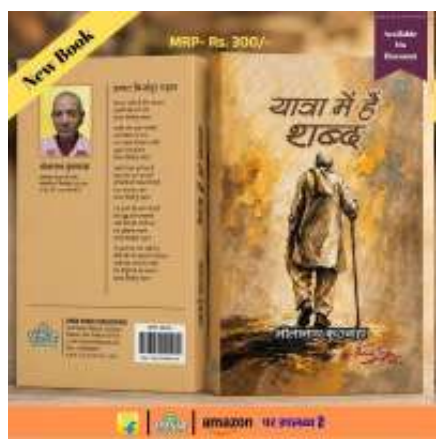

संस्थान का मोहन राकेश सर्जना पुरस्कार समेत अन्य कई पुरस्कार मिलते रहे हैं। नगर के बाँके लाल टंडन की गली, वासलीगंज निवासी श्री कुशवाहा के नये काव्य संग्रह यात्रा में हैं शब्द के प्रकाशन पर अनेक लोगों ने बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। बधाई देने वालों में सर्वश्री डॉ अनुज प्रताप सिंह, वृजदेव पांडेय, लाल व्रत सिंह सुगम, गणेश गंभीर, लल्लू तिवारी, अरविंद अवस्थी, आनंद अमित, डॉ अनुराधा ओस, केदारनाथ सविता, मुहिब मिर्जापुरी,रवींद्र कुमार पांडेय, नंदिनी वर्मा,कुलभूषण पाठक, इला जायसवाल, खुर्शीद भारती, हसन जौनपुरी, इम्तियाज अहमद गुमनाम, इरफान कुरैशी, अमर नाथ सिंह,आनंद केसरी, सारिका चौरसिया, हौसला प्रसाद मिश्र, पूजा यादव आदि प्रमुख हैं।

इंडिया-इजराइल परियोजनारू बुंदेलखंड में जल संकट का समाधान निकाल रहा आधुनिक जल प्रबंधन मॉडल

19.1 करोड़ की इंडिया-इजराइल परियोजना में तेजी, गंगावली में सोलर पंप, इंटेक पाइप व नेचुरल एसटीपी का काम पूरा

लखनऊ (संवाददाता)। बुंदेलखंड में जल संकट और सीमित जल संसाधनों के बीच योगी सरकार जल संरक्षण, सिंचाई दक्षता और आधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा देने के लिए इंडिया–इजराइल बुंदेलखंड वाटर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रही है। झांसी के विकासखंड बड़ागांव स्थित ग्राम गंगावली में करीब 19.1 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे मिनी पायलट प्रोजेक्ट में कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो चुके हैं। जलाशय का अर्थवर्क और जियोमेम्ब्रेन लाइनिंग, सोलर पंप की स्थापना, नहर से जलाशय तक इंटेक पाइप और इंटेक वेल, पीयूएफ पैनल आधारित भवनों समेत कई प्रमुख काम पूरे किए जा चुके हैं। अब अगले चरण में माइक्रो इरिगेशन, ग्रीनहाउस, सिंचाई ऑटोमेशन और किसान प्रशिक्षण जैसे कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के विशेष सचिव एवं निदेशक, भूगर्भ जल विभाग डॉ राजेश कुमार प्रजापति ने कहा कि योगी सरकार की इस पहल का उद्देश्य बुंदेलखंड की स्थानीय जल उपलब्धता और कृषि परिस्थितियों के अनुसार ऐसा मॉडल तैयार करना है, जिसमें उपलब्ध पानी का अधिकतम और वैज्ञानिक तरीके से उपयोग किया जा सके। परियोजना में जल संरक्षण, जल भंडारण, सौर ऊर्जा, माइक्रो इरिगेशन, आधुनिक कृषि तकनीक और किसान प्रशिक्षण को एक साथ जोड़ा गया है। इसके तहत जलाशय, नहर से पानी लाने की व्यवस्था, पाइपलाइन, सोलर पंप, ड्रिप–स्प्रिंकलर, प्राकृतिक एसटीपी, कृषि मशीनरी और आधुनिक खेती की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसका मकसद किसानों को सीमित पानी में बेहतर सिंचाई और खेती का व्यावहारिक मॉडल उपलब्ध कराना है। गंगावली में परियोजना की प्रगति अब जमीन पर दिखाई देने लगी है। जलाशय क्षेत्र की डिमार्केशन और फेंसिंग का कार्य पूरा हो चुका है। जलाशय का अर्थवर्क और जियोमेम्ब्रेन लाइनिंग भी पूरी हो गई है। पीयूएफ पैनल आधारित भवनों का निर्माण पूरा होने के साथ वहां सीसीटीवी की व्यवस्था भी की जा चुकी है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेंडर सूचना संख्या : MECH-OF-SPARMV-ENG-AMC-26 दिनांक : 08.09.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल मैकेनिकल इंजीनियर (ओ&एफ)/प्रयागराज, निम्नलिखित कार्य के लिए Cummins के OEM/अधिकृत डीलरों से निर्धारित प्रपत्रों में ई-टेंडरिंग के माध्यम से टेंडर खुलने की तारीख को 15:00 बजे तक एकल निविदा आमंत्रित करते हैं। टेंडर का विवरण इस प्रकार है:-

निविदा सूचना संख्या : MECH-OF-SPARMV-ENG-AMC-26

कार्य का नाम : वरिष्ठ खण्ड अभियंता/लोको/प्रयागराज के अधीन एसपीआरएमवी/प्रयागराज पर लगे Cummins मेक 02 डीजल इंजन (मॉडल नंबर - NTA 855 R, ESN 25261761 और 25283667) के लिए 03 साल की अवधि का वार्षिक रखरखाव अनुबंध (AMC)।

जीएसटी सहित कुल निविदा मूल्य (रु.) : 4766890.70	बयाना राशि (रु.) : 00.00
निविदा पत्र का मूल्य (रु.) : 00.00	कार्य की अवधि : 36 माह
निविदा खुलने की तारीख : 29.09.2026 को 15:30 बजे या उसके बाद	

1. ऊपर दिए गए ई-टेंडर की पूरी जानकारी और टेंडर डॉक्युमेंट 08.09.2026 को 15:00 बजे से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड/अपलोड कर दी जाएगी और टेंडर खुलने की तारीख 29.09.2026 को 15:00 बजे तक वेबसाइट पर रहेगी। 2. ऊपर दिए गए टेंडर के लिए ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके लिए, बैडर को IREPS वेबसाइट पर खुद को रजिस्टर करना होगा और आईटी एक्ट-2000 के तहत CCA द्वारा जारी डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट लेना होगा। 3. फाइनेंशियल रेट पेज पर दर्ज और डिजिटल रूप से साइन किए गए रेट ही माने जाएंगे। अगर बैडर किसी अन्य रूप/लेटर हेड में रेट या कोई अन्य फाइनेंशियल जानकारी अटैच करते हैं, तो उन्हें सीधे तौर पर नजरअंदाज कर दिया जाएगा और उन पर विचार नहीं किया जाएगा। 4. अटैच किए जाने वाले डॉक्युमेंट पर टेंडर भरने वाले के साइन होने चाहिए। 5. यह निविदा सूचना www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड किया गया है। 6. किसी भी तरह की दिक्कत होने पर IREPS की वेबसाइट पर मौजूद हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 7. ऑनलाइन निविदा 29.09.2026 को दोपहर 3:00 बजे तक जमा किए जा सकते हैं। 8. सामान और/या सर्विस के संपादन पर समय-समय पर लागू जीएसटी एक्ट और नियम लागू होंगे। (रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2018/AC-II/1/8, दिनांक 12 मई 2017 के अनुसार)

2863/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONC

सम्पादकीय.....

जानलेवा हॉस्टल

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के निकट स्थित पांच मंजिला इमारत ढहने की घटना में मरने वाले छात्रों की संख्या सोमवार को सात घोषित की गई। अभी कुछ और छात्रों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। कुंभकरणी नींद में सोई हुई राज्य सरकार अब जागी है। राजस्थान पहुंचकर पुलिस ने फरार हॉस्टल मालिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार दिखाया है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, भवन के रखरखाव में लापरवाही बरतने और दूसरों की सुरक्षा खतरे में डालने के आरोप दर्ज किए गए हैं। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री के निर्देश पर पांच अधिकारियों को निलंबित किया गया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में दिल्ली नगर निगम के दक्षिण जोन के उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता,सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता शामिल हैं। इतना ही नहीं, सरकार ने रविवार रात हुई घटना की मजिस्ट्रेटी जांच करने के भी आदेश दिए हैं। सवाल उठता है कि किसी जानलेवा हादसे के बाद ही ऐसी कार्रवाई करने की जरूरत क्यों पड़ती है? क्यों पहले ही बेगुनाह लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले भवनों की जांच करके मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जाती? उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती, जिनका दायित्व रिहाइशी भवनों व्यावसायिक भवनों में बदलने की जांच करना होता है? इस मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है, जो उसने इस मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सोमवार की सुनवाई के दौरान की। दिल्ली हाईकोर्ट ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस हादसे के लिये सिर्फ भवन मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विश्वविद्यालय भी जिम्मेदार है। विश्वविद्यालय अन्य राज्यों से आने वाले छात्रों के लिये रहने के लिये जरूरी सुविधा देने में विफल रहा है। जिसके कारण छात्रों को निजी पेइंग गेस्ट यानी पीजी में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। अदालत ने संबंधित विभागों को दस दिनों के भीतर याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। यह दुखदायक ही कहा जाएगा कि दिल्ली में पालम, विवेक विहार, साकेत, मालवीय नगर के बाद अब सत्य निकेतन का दुखद हादसा सामने आया है। यह दुखद ही है कि दिल्ली में लगातार हो रहे हादसों की लिस्ट लगातार लंबी होती जा रही है। इन सभी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में एक बात समान है दृबेगुनाहों की मौत और असुरक्षित इमारतें, बिना मंजूरी के बदलाव, रिहायशी प्रॉपर्टी का व्यावसायिक इस्तेमाल और सबसे चिंताजनक नियम–कानून लागू करने में तंत्र की नाकामी। यह विडंबना ही है कि समाज में लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर पैसा कमाने की हवस इस हद तक बढ़ गई है कि वे किसी के जीवन व मृत्यु की भी परवाह नहीं करते। दूरदराज के राज्यों से अपने सुनहरे सपने लेकर दिल्ली आने वाले छात्र मजबूरी में मुंहमांगे दाम देकर अमानवीय स्थिति वाले पीजी में रहने को मजबूर हो जाते हैं। जब जर्जर इमारतों की स्थिति को नजरअंदाज करके चलताऊ निर्माण कार्य कराये जाते हैं तो हादसे का होना तय हो जाता है। हादसे का शिकार हुई सत्य निकेतन बिल्डिंग के लिये ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल बनाने की अनुमति मिली थी। लेकिन नये प्लान की मंजूरी लिए बिना इसे पांच मंजिला बना दिया गया। क्या किसी एमसीडी के अधिकारी की नजर इस अवैध निर्माण पर नहीं गई होगी? जब दशकों पुरानी यह इमारत जमींदोज हुई तो तब कथित तौर पर इसमें अवैध रूप से रेनोवेशन का काम चल रहा था। देश की राजधानी में नियामक कानूनों या बिल्डिंग कोड की कमी नहीं है। सही मायने में कमी है तो बस उनके ईमानदारी से लागू करने की। सुरक्षित दिल्ली के लिये एक रोडमैप बनाने की जरूरत है। जिसमें पुरानी और ढांचागत रूप से बदली गई इमारतों का वार्ड के हिसाब से ऑडिट करने, खतरनाक इमारतों के मालिकों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने, बिल्डिंग की मंजूरी का पारदर्शी रिकॉर्ड रखने और नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों और मालिकों के लिये सख्त सजा का प्रावधान होना चाहिए। ट्रिपल इंजन सरकार वाली दिल्ली में यदि ऐसी त्रासदियां आम हो जाएं तो यह विडंबना ही है। कोशिश हो कि प्राथमिकता ऐसे हादसों को रोकना हो, न कि घटना के बाद प्रतिक्रिया देने का प्रपंच।

सत्य निकेतन हादसा: जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

ललित गर्ग

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र–पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था? सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे–छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता–पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए। यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए–दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों–तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई–हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी। भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग–हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार–पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे–तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है। सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर–स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है–जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी? मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है। जमीन सीमित है, जनसंख्या बढ़ रही है, किराये की मांग बढ़ रही है और व्यावसायिक हित अधिकतम जगह का अधिकतम उपयोग चाहते हैं। ऐसे में यदि शासन मजबूत नियमन और वैज्ञानिक शहरी नियोजन नहीं करेगा तो शहर ऊपर की ओर बढ़ेंगे, लेकिन उनकी सुरक्षा नीचे गिरती जाएगी। दुर्घटना के बाद वही परिचित दृश्य सामने आता है–मंत्री घटनास्थल पर पहुंचते हैं, अधिकारी बैठक करते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ भवन सील होते हैं, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और कुछ दिनों तक प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है। फिर धीरे–धीरे सब सामान्य हो जाता है। लेकिन किसी मृत विद्यार्थी के माता–पिता के लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता। उनके लिए वह एक जांच समिति नहीं, जीवनभर का खालीपन है। उनके लिए मुआवजे की राशि उनके बेटे या बेटी का विकल्प नहीं है। वे यह जानना चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित क्यों नहीं था? किसने सुरक्षा की गारंटी दी थी? किसने निगरानी की थी? किसने खतरे को नजरअंदाज किया था? इसलिए जांच का उद्देश्य केवल दोषी व्यक्ति ढूंढना नहीं होना चाहिए।

ब्रह्मर्षि हुसैन शाह की 121वीं जयंती के मौके पर पुरस्कार वितरित

श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के सातवें पीठाधिपति ब्रह्मर्षि हुसैन शाह की 121वीं जयंती के मौके पर आयोजित समारोह में नौंवे पीठाधिपति डॉ. उमर अलीशा ने बुधवार को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर मद्रास विश्वविद्यालय के तेलुगु विभाग अध्यक्ष, जाने–माने कवि, विस्तारी शंकर राव ने कहा कि ब्रह्मर्षि हुसैन शाह वह महान इंसान थे जिन्होंने इंसानियत को महान कृति ष्शाह तत्वष प्रदान किया।जो बिना किसी धार्मिक आलोचना के इंसान को भगवान बनाने के रास्ते के लिए एक दिशा–निर्देशक की तरह खड़ी रही।

सातवें पीठाधिपति ब्रह्मर्षि हुसैन शाह की 121वीं जयंती के मौके पर उमर अली शाह साहित्य समिति के तत्वावधान में बुधवार को पिठापुरम में पीठ के मुख्य आश्रम में आयोजित एक कार्यक्रम में हुसैन शाह कवि स्मृति पुरस्कार प्रदान किया गया।

उमर अलीशा साहित्य समिति के सेक्रेटरी दयाना चंद्रजी सभा ने पुरस्कार वितरण कर्यक्रम का आयोजन किया। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के नौंवे पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह की अध्यक्षता में, कवि विस्तारी शंकर राव और जानी–मानी सामाजिक कार्यकर्ता वेमुरी लक्ष्मी कांति को हुसैन शाह कवि स्मृति पुरस्कार दिए गए। इस पुरस्कार के तहत 50 हज़ार एक सौ सोलह रुपये की नकद राशि, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

इस मौके पर, पुरस्कार प्राप्त करने वाले विस्तारी शंकर राव ने कहा कि श्री विश्वविज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौ पीठाधिपतियों के शाह तत्व ग्रंथ का सार लोगों को तीन बातें बतानी हैरू आध्यात्मिक शिक्षा, शैक्षिक और सामाजिक बातें, कल्याण कार्यक्रम और साहित्य।

उन्होंने कहा कि 91 अध्यायों वाली यह पुस्तक हुसैन शाह द्वारा लिखी गई महान ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक व्यक्ति के जीवन में आने वाली हर समस्या का समाधान प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि शाह तत्व महान ग्रंथ है, जो पहले ही 8 बार छप चुकी है। उन्होंने कहा कि हुसैन शाह कवि ने अपनी महान काव्यात्मक कृति परंज्योति के माध्यम से व्यक्ति के परंज्योति बनने का मार्ग समझाया । उन्होंने कहा कि व्यक्ति में आध्यात्मिक जीवन दर्शन का निर्माण हो, इसके लिए ज्ञान प्रदान करने वाले अच्छे शिक्षकों की विशेषता को समाज में फैलाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि महान पीठ, जो धर्मनिरपेक्ष आधुनिक मानवता के मंदिर के रूप में फल–फूल रही है, वह श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ है।

एक अन्य पुरस्कार विजेता वेमुरीलक्ष्मी कांति ने कहा कि श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ एक महान संगठन है जो आध्यात्मिक दर्शन और सामाजिक सेवा कार्यक्रमों को अपनी दो आंखें मानकर सैकड़ों वर्षों से मानवता को वेदांत की शिक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मर्षि हुसैन शाह कवि पुरस्कार मिलना उन्हें पिछले जन्म का आशीर्वाद लगता है।

इस अवसर पर पीठाधिपति डां. उमर अली शाह ने कहा कि इंसान में रूहानी मूल्यों की कमी की वजह से इंसानी मूल्य दिन–ब–दिन खत्म हो रहे हैं और रूहानी और दर्शन ज्ञान न जानने की वजह से इंसान नफरत, जलन, बदला जैसे बुरे गुणों के शिकार होकर दुनिया के विनाश की तैयारी कर रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि रूहानियत को बढ़ाने के साथ–साथ इंसान को समाज सेवा के प्रोग्राम में भी हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि रूहानी जागरूकता ही समाज की जागरूकता का बीज है।

उन्होंने कहा कि अगर समाज की नज़र और रूहानी नज़रें विकसित हो जाएं तो मनचाही मुक्ति का रास्ता आसान हो जाएगा। उन्होंने सभा को समझाया कि आज के समाज में हर इंसान को रूहानी और दार्शनिक ज्ञान को विकसित करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि ध्यान, ज्ञान और मंत्र साधना की त्रई साधना को अपनाकर इंसान अपने अंदर के अरिशदवर्गों पर विजय हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मर्षि हुसैन शाह की 121वीं जयंती के मौके पर एक साहित्यकार और एक समाजसेवी को पुरस्कृत कर उन्हें खुशी हो रही है। उन्होंने कमेटी के उन सदस्यों को बधाई दी जो पिछले 34 सालों से भीमावरम में मौजूद डॉ. उमर अली शाह साहित्य समिति को सफलतापूर्वक चला रहे हैं।

बाद में, दशकों से पीठ की उत्कृष्ट सेवा कर रहे सदस्यों त्सावतापल्ली मुरली कृष्ण, पीठ के संयोजक पेरुरी सुरीबाबू, डॉ. पिंगली आनंदकुमार और के. स्वर्णलता को हर एक को 10,000 रुपये के नकद पुरस्कार दिए गए। इसके बाद, पीठाधीपति उमर अली शाह को सम्मानित किया गया।

बाद में, पीठम ने अनंतपुर के साहित्यकार वेंकटेश्वर राव की कृति सद्गुरु साईं स्वरूपम गंधम का अनावरण किया गया। उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट की ओर से स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप बांटी गई। जरूरतमंद महिलाओं के बीच सिलाई मशीन बांटे गए, युवा वॉलंटियर्स को नए कपड़े बांटे गए और अनाज के गुच्छे बांटे गए।

पीठम की सदस्य उमा मुकुंदा की संगीतमय देखरेख में सदस्यों ने कीर्तन गाए, जिससे दर्शकों का मनोरंजन हुआ। इस प्रोग्राम में पीठम मीडिया कन्वीनर अकुला रवि तेजा, गीतावधानी येरमसेट्टी उमामहेश्वर राव, पीठम सेंट्रल कमिटी के सदस्य, एनटीवी प्रसाद वर्मा, एवीवी सत्यनारायण, साहित्य समिति के ट्रेज़रर वड्डाडी श्री वेंकटेश्वर शर्मा, वड्डी विजयलक्ष्मी, टीवीवी कृष्णमूर्ति और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।

म्यांमार सैन्य शासन का सशस्त्र विद्रोहियों को राजनीतिक

असद मिर्जा

जैसे ही 5 अगस्त को मक्का समझौते पर हस्ताक्षर हुए, इस बात की अटकलें शुरू हो गईं कि कौन से देश जल्द से जल्द इस समझौते में शामिल हो सकते हैं। इस सूची में ईरान सबसे ऊपर है, लेकिन जमीनी हकीकत इस परिदृश्य का समर्थन नहीं करती। पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब के बीच हुआ मक्का समझौता अपनी स्थापना के बाद से ही ध्यान का केंद्र बना हुआ है। इसे नाटो के अनुच्छेद 5 की तर्ज पर एक समझौता कघ्रार दिया गया, जिसके तहत किसी एक सदस्य पर हमले को सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है। लेकिन असल में, खुद नाटो ने भी ईरान युद्ध और अमेरिका के इराकघ पर हमले के दौरान, जब अमेरिका ने तथाकथित श्सामूहिक विनाश के हथियारोंश की खोज का दावा किया था, अनुच्छेद 5 का इस्तेमाल नहीं किया। यह केवल एक बार, 12 सितंबर 2001 को, 9ध्11 के हमले के बाद इस्तेमाल हुआ है। तुर्की, जो नाटो की सदस्यता रखने के बावजूद अपनी नाटो जिम्मेदारियों से बाहर रहकर इस समझौते में शामिल हुआ है, उस पर होने वाले किसी भी हमले को भी इस समझौते के नतीजे में नाटो का समर्थन हासिल नहीं होगा। इससे जाहिर होता है कि इस समझौते के सदस्यों की ओर से अनुच्छेद 5 जैसी प्रतिबद्धता की संभावना कम है, क्योंकि तुर्की कभी भी नाटो द्वारा नजरअंदाज या अलग–थलग किए जाने का जोखिम नहीं उठाएगा। इस समझौते में शामिल हर देश के अपने हित और सुरक्षा चिंताएं हैं। सऊदी अरब को ईरान और उसके समर्थित समूहों, खासकर हूती और इराक में मौजूद मिलिशिया की ओर से अपनी धरती पर हमलों का डर है। वह अपने तेल निर्यात में किसी भी रुकावट का इच्छुक भी नहीं है। तुर्की उत्तरी सीरिया के हालात, कुर्द विद्रोहियों और इजरायल के साथ जारी तनाव से प्रभावित है। हाल ही में नेतन्याहू ने तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन को श्यहूदी–विरोधी तानाशाहश कघ्रार दिया। तुर्की को साइप्रस–ग्रीस–इजरायल धुरी को लेकर भी चिंता है। पाकिस्तान अपने पश्चिमी प्रांतों में विद्रोह का सामना कर रहा हैय वह अफगानिस्तान के साथ टकराव में उलझा हुआ है और भारत के साथ उसका तनाव भी बरकघ्रार है। वह ईरान के साथ टकराव शुरू नहीं कर सकता क्योंकि बलूचिस्तान के अशांत इलाकघ में उसकी ईरान के साथ 900 किलोमीटर लंबी सीमा मिलती है।तीनों देशों के लिए इजरायल साझा चिंता का विषय है, जो अपनी मर्जी से कहीं भी हमला कर सकता है, जैसा कि नवंबर 2025 में कघ्तर में किया गया, और पारंपरिक सुरक्षा प्रदाता अमेरिका उसे रोकने में नाकाम रहा। हालांकि सऊदी अरब और इजरायल के बीच सीधी दुश्मनी नहीं है, जबकि तुर्की का वहां दूतावास भी मौजूद है। सिफ पाकिस्तान ही इजरायल को मान्यता देने से इंकार करता है। ऐसी खबरें भी हैं कि मध्य पूर्व के देशों, जिनमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कघ्तर शामिल हैं, ने निजी तौर पर ईरान से संपर्क कर क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े संदेश भेजे हैं। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकघ्र कघलीबाफ ने बताया कि उन्हें पड़ोसी देशों से नई सुरक्षा व्यवस्थाओं और आर्थिक सहयोग से जुड़े कई संदेश मिले हैं। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ने इजरायल की खातिर अपने सहयोगियों के हितों को नजरंदाज करते हुए और दबाव डालते हुए इन सबकी सुरक्षा को इस हद तक जोखिम में डाल दिया है कि उन्हें कुछ समय के लिए अपना अस्तित्व दांव पर लगता महसूस हुआ। ईरान ने मक्का समझौते का स्वागत किया है क्योंकि इसने अमेरिका को बाहर रखा है। रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाकघ डार ने मक्का समझौते से जुड़ी बातचीत में ईरान को भी सूचित रखा, ताकि उसकी इस आशंका को दूर किया जा सके कि यह समझौता उसके खिलाफ है। अन्य मीडिया रिपोर्टों में यह भी बताया गया कि ईरान को मक्का समझौते में शामिल होने का न्योता दिया गया है, हालांकि इसकी पुष्टि न तो समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले देशों ने की है और न ही खुद ईरान ने आधिकारिक तौर पर की है। यहां तक कि हूतियों द्वारा सऊदी जहाजरानी और तेल प्रतिष्ठानों पर किए गए हमलों का भी समझौते के सदस्यों ने कोई जवाब नहीं दिया। इसी दौरान पाकिस्तान के आसिम मुनीर ने तेहरान का दौरा किया, जिसका मकसद अमेरिका के साथ बातचीत दोबारा शुरू करवाना था। यह भी सामने आया है कि ट्रंप ने कुछ दिन पहले आसिम मुनीर से फोन पर बात की थी। ईरानी राष्ट्रपति ने साफ किया कि श्दबाव और धौंसश इस्लामाबाद समझौते के क्रियान्वयन को और जटिल ही बनाएंगे। यह मालूम नहीं कि मक्का समझौते में शामिल होने के प्रस्ताव पर बात हुई या नहीं। पाकिस्तान और समझौते के अन्य सदस्यों की ओर से तेहरान को, अमेरिका के साथ उसके जारी तनाव के बावजूद, साथ लाने की कोशिशें इस बात की ओर इशारा करती हैं कि ईरान असल में इस समझौते के गठन की मूल वजह नहीं है। इसके अलावा, ईरान के पास इजरायल की एकतरफा कार्रवाइयों का मुकघबला करने की सैन्य क्षमता मौजूद है। ऐसे में दो ही संभावित वजहें बचती हैं। इजरायल और भारत। सऊदी अरब के इजरायल के साथ कारोबारी रिश्ते हैं, जबकि भारत के साथ उसका साझा सुरक्षा कार्यकारी समूह है, जिसकी आखिरी बैठक इसी साल जनवरी में हुई, साथ ही दोनों के बीच गहरे व्यापारिक और कूटनीतिक संबंध भी कायम हैं। भारत और तुर्की कुछ वर्षों के सर्द रिश्तों के बाद अपने रिश्तों को दोबारा बहाल करने की कोशिशों में हैं। हालांकि तुर्की, चीन के साथ मिलकर पाकिस्तान को हथियार और अन्य सैन्य सहायता देना जारी रखेगा, लेकिन किसी टकराव की स्थिति में उसकी सेना भेजने की संभावना कम है। इस समर्थन का सबूत उस समय मिला जब कई तुर्की विमान, कथित सैन्य साजो–सामान कृ संभवतरू ड्रोन और उनके नियंत्रण केंद्रकृ लेकर हाल ही में पाकिस्तान पहुंचे। मध्य पूर्व के देशों के लिए ईरान का समझौते में शामिल होना सबके लिए फायदेमंद होगा। हकघिकघ्त यह है कि ईरान को अपने पड़ोसी देशों पर जवाबी वार करना पड़ा क्योंकि यही एकमात्र रास्ता था जिससे वह उन्हें अमेरिका पर अपने हमले रोकने के लिए दबाव डालने पर मजबूर कर सकता था। ईरान के ज्यादातर निशाने पड़ोसी देशों में मौजूद अमेरिकी अड्डे और रडार प्रतिष्ठान थे, हालांकि कुछ आर्थिक ठिकाने भी निशाना बने। क्षेत्र के देशों की मुख्य चिंता इजरायल की सैन्य ताकघ्त, उसकी मर्जी से कहीं भी हमला करने की क्षमता और उसे मिला अमेरिकी समर्थन है। अब ईरान, जो इसका मुकाबला करने की क्षमता रखता है, एक साझा प्रतिद्वंद्वी बन जाएगा। समझौते में शामिल देश वाशिंगटन और तेहरान के बीच भविष्य की बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। वे अपने अड्डों को अमेरिकी सेना द्वारा ईरान पर हमले के लिए इस्तेमाल होने से रोककर तेहरान की चिंताओं को दूर कर सकते हैं। क्षेत्र का कोई भी देश परमाणु क्षमता वाला ईरान नहीं चाहता, और इस बात को सुनिश्चित किया जा सकता है। इसके अलावा भी कई फायदे होंगे।

अक्षय खन्ना को रिप्लेस करने पर क्या बोले जयदीप अहलावत ? अजय ने बताया क्यों खत्म की यह फ्रेंचाइजी

फिल्म 'दृश्यम' के तीसरे भाग 'दृश्यम द कनक्लूजन' का ट्रेलर गोवा में एक खास इवेंट के दौरान लॉन्च किया गया। इस मौके पर फिल्म के मेकर्स, प्रोड्यूसर्स और पूरी स्टारकास्ट मौजूद रही। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अजय देवगन, तब्बू, श्रिया सरन और रजत कपूर ने शिरकत की। इनके अलावा फिल्म में नए किरदार के साथ जुड़े जयदीप अहलावत भी इस खास मौके पर मौजूद रहे। जयदीप फिल्म में एसपी क्राइम ब्रांच ऑफिसर राजवीर सिंह तोमर के किरदार में नजर आएंगे। वहीं प्रकाश राज भी फिल्म में वकील का किरदार निभाते दिखेंगे। हालांकि वे इस इवेंट में शामिल नहीं हुए। ट्रेलर लॉन्च के दौरान जयदीप अहलावत से फिल्म में अक्षय खन्ना को रिप्लेस करने को लेकर सवाल किया गया। जयदीप ने साफ किया कि वह अक्षय खन्ना की जगह नहीं आए हैं, बल्कि फिल्म में उनका किरदार बिल्कुल नया है। जयदीप ने कहा, जब मैंने कहानी सुनी थी, वो बिल्कुल ऐसा नहीं था कि मैं अक्षय की जगह हूं। वो किरदार खत्म हुआ है और हमारी जर्नी बिल्कुल नई है। मेरा एकदम नया इंट्रोडक्शन होगा और मीरा और उसकी फैमिली के साथ नया रिलेशनशिप होता है। अक्षय खन्ना के साथ तुलना को लेकर जयदीप ने कहा कि उन्हें इसे लेकर किसी तरह का दबाव महसूस नहीं हुआ। उन्होंने कहा, श्कोई प्रेशर नहीं था अक्षय के कम्पैरिजन में। मैं बिल्कुल अपनी जर्नी में हूं।

वहीं, अजय देवगन ने भी जयदीप के किरदार को लेकर कहा कि दोनों की तुलना नहीं की जा सकती। उन्होंने बताया, श्पुलिस से केस सॉल्व नहीं हुआ, तो क्राइम ब्रांच से लोग आए हैं। दोनों अलग–अलग किरदार हैं और केस को सॉल्व करने का उनका अप्रोच भी अलग है। ट्रेलर लॉन्च पर फिल्म को लेकर अजय देवगन ने कहा कि 'दृश्यम 2' के बाद उन्हें खुद नहीं पता था कि इसकी अगली फिल्म बनेगी या नहीं। उन्होंने कहा, श्हमें नहीं पता था कि 2 के बाद हम बनाएंगे कि नहीं। इतने ट्विस्ट के साथ हम इसे बना पाएंगे या नहीं। हमें लगा कि यही कंक्लूजन है और इसके बाद हमें और कोशिश नहीं करना चाहिए। क्योंकि इसमें ट्विस्ट्स हैं और उसी दायरे में रहते हुए कहानी को वहीं से शुरू करना, जहां पिछली कहानी खत्म हुई थी, उसे आगे ले जाना और उतना ही इंटरेस्टिंग बनाना, आई थिंक, रियली इम्पॉसिबल है। अजय ने आगे कहा, उसके बाद अभिषेक ने सोचा, हम सबने फिर से ढाई साल राइटर्स के साथ काम किया और ये स्क्रिप्ट सामने आई। हमें लगा कि ये सच में कंक्लूजन होना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि इसके ऊपर जाने की कोशिश करनी चाहिए। क्योंकि अगर आप टॉप पर हैं, तो वहीं खत्म करना बेस्ट चीज है। अजय और मेकर्स ने फिल्म को अपने लिए एक बड़ा चैलेंज भी बताया। अजय ने कहा, ये फिल्म हमारे लिए एक बहुत बड़ा चैलेंज है। ये पूरी तरह अलग स्क्रिप्ट है। ऐसा नहीं है कि हमने कुछ चेंज किया है, ये पूरी तरह अलग फिल्म है। मैं चाहता हूं कि लोग फिल्म देखें और उम्मीद है कि उन्हें भी इसका अप्रूवल मिले और वो इसे उतना ही प्यार दें। वो फिल्म में एसपी क्राइम ब्रांच के किरदार में नजर आएंगे, जो अजय के परिवार को गिरफ्तार करने के लिए अपनी पूरी जान लगा देता है। कुल मिलाकर विजय यानी अजय देवगन के लिए अब ये खेल दिमाग का नहीं, नसीब का बन चुका है। इसका मतलब इस बार लड़ाई ज्यादा इंटेंस और कांटे की टक्कर की होने वाली है। अब देखना होगा कि इस लड़ाई में कौन जीतेगा।

> “
> हालांकि वे इस इवेंट में शामिल नहीं हुए। ट्रेलर लॉन्च के दौरान जयदीप अहलावत से फिल्म में अक्षय खन्ना को रिप्लेस करने को लेकर सवाल किया गया। जयदीप ने साफ किया कि वह अक्षय खन्ना की जगह नहीं आए हैं, बल्कि फिल्म में उनका किरदार बिल्कुल नया है।

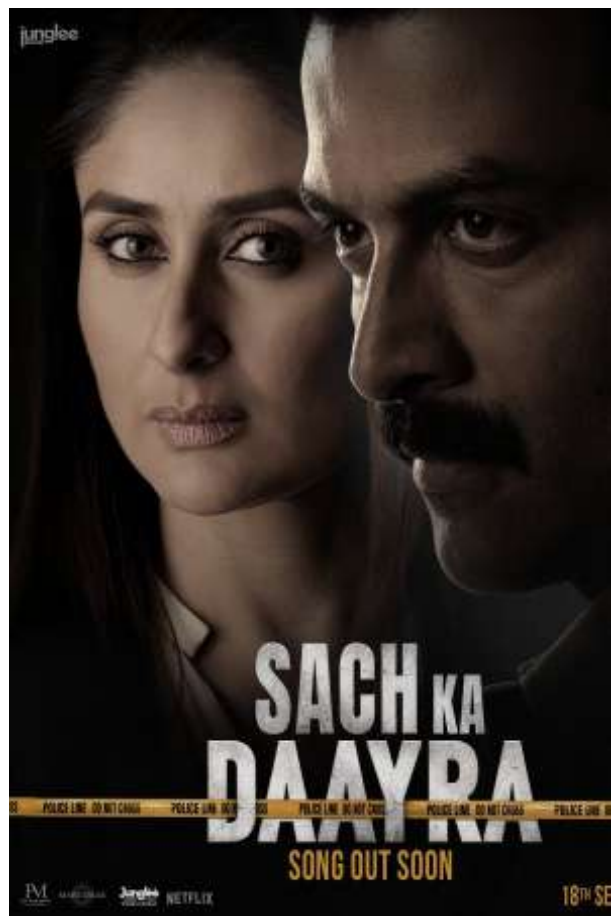

दायरा से उठे सवालों को मिली आवाज, 'सच का दायरा' गाने का टीजर रिलीज

मेघना गुलजार की अपकमिंग क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दायरा' को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही है। फिल्म के गाने 'सच का दायरा' का टीजर जारी कर दिया गया है। इससे पहले गाने के पोस्टर में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन की झलक देखने को मिली थी और अब टीजर ने फिल्म की कहानी से जुड़े रहस्य को और गहरा कर दिया है। 'सच का दायरा' के टीजर में मशहूर गीतकार गुलजार की आवाज सुनाई देती है। उनकी आवाज और शब्द फिल्म की कहानी में मौजूद अपराध, भावनाओं और अनसुलझे सवालों की तरफ इशारा करते हैं। टीजर से साफ है कि कहानी सिर्फ सच और झूठ के बीच फर्क तलाशने तक सीमित नहीं है, बल्कि इनके बीच छिपी कई परतों को भी सामने लाने वाली है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी 'दायरा' सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहानी एक जटिल अपराध को दो अलग–अलग नजरियों से सामने लाती है, जहां किरदारों की सोच, भावनाएं और सच को देखने का उनका तरीका कहानी में कई नए सवाल खड़े करता है।'राजी', 'तलवार' और 'सैम बहादुर' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी खास कहानी कहने की शैली के लिए पहचानी जाने वाली मेघना गुलजार इस बार संगीत के जरिए भी फिल्म की भावनात्मक दुनिया को मजबूत करती नजर आ रही हैं। 'सच का दायरा' फिल्म की कहानी से जुड़ा एक अहम हिस्सा है, जो इसके भीतर चल रही बेचैनी और अनिश्चितता को आवाज देने का काम करता है। गाने को गुलजार ने लिखा है, जबकि अमित त्रिवेदी ने इसका संगीत तैयार किया है और बी प्राक ने अपनी आवाज दी है। इन तीनों की मौजूदगी गाने को एक अलग भावनात्मक रंग देती है। टीजर में फिल्म की गंभीर और रहस्यमयी दुनिया की झलक के साथ गुलजार की आवाज कहानी के केंद्रीय सवालों को और प्रभावशाली बनाती है। 'सच का दायरा' को महज एक फिल्मी गाने के तौर पर नहीं, बल्कि 'दायरा' की कहानी का हिस्सा बताया जा रहा है। गाने के टीजर ने फिल्म के किरदारों रमन और अजूनी की कहानी को लेकर दर्शकों की जिज्ञासा और बढ़ा दी है। टाइम्स म्यूजिक की शाखा जंगली म्यूजिक द्वारा प्रस्तुत 'दायरा' को जंगली पिक्चर्स और डॉ. जयंतिलाल गड़ा के पेन स्टूडियोज ने बनाया है, जबकि पेन मरुधर फिल्म को वितरित कर रहा है। '

एक्टर ने क्यों जनता से मांगी माफी ? हिंदी भाषा को लेकर दिया था बड़ा बयान, जमकर हुई थी ट्रोलिंग

शिवा राजकुमार के एक बयान के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब एक्टर ने सफाई देते हुए बताया कि उनके बयान का असल मतलब क्या था। साथ ही उन्होंने अपनी ओर से माफी भी मांगी है। सोमवार को 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' के एक फिल्म इवेंट में मीडिया से बात करते हुए शिवा राजकुमार ने कहा, मैंने हिंदी को राष्ट्रीय भाषा कहा था। यह भाषाओं में से एक है। हमारी भाषा कन्नड़ हमारे लिए हमेशा महत्वपूर्ण है। मुझे नहीं पता, मैं भारत की भाषाओं में से एक को लेकर कन्फ्यूज हो गया था। मैं माफी मांगता हूं, मुझे नहीं पता था। उनकी भाषा हिंदी है और हमारी भाषा कन्नड़ है। उनकी भाषा उनके लिए महत्वपूर्ण है और इसी तरह हमारी भाषा हमारे लिए महत्वपूर्ण है। यह सफाई उनके उस बयान के कुछ समय बाद आई है, जो उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म ओरिजिनल मॉन्स्टर' के टाइटल लॉन्च इवेंट में दिया था। पैन–इंडिया फिल्म के लिए हिंदी डायलॉग बोलने को लेकर सवाल पूछे जाने पर शिवा राजकुमार ने कहा था, क्यों? हिंदी मेरी दूसरी भाषा है। मैं हिंदी बोल सकता हूं। आपको क्या लगा? यह आसान भाषा है, राष्ट्रीय भाषा है। हम इसे कैसे नहीं जानेंगे? हम जानते हैं। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर मिली–जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ यूजर्स ने हिंदी को राष्ट्रीय भाषा बताने पर उनकी आलोचना की, जबकि कई फैंस ने उनका बचाव करते हुए कहा कि वह भारत में हिंदी के बड़े स्तर पर इस्तेमाल होने की बात कर रहे थे।

बिग बॉस 20 घर के अंदर मैरी कॉम का दिखा घमंड, मनोज तिवारी की बेटी से बोलीं- पूरी दुनिया मुझे जानती है लेकिन...

बिग बॉस 20 के आने वाले एपिसोड में, छह बार की वर्ल्ड चौंपियन बॉक्सर मैरी कॉम को किचन में बर्तन धोने और चाय बनाने को लेकर रीति तिवारी के साथ बहस करते हुए देखा जाएगा। चौनल द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक प्रोमो में मैरी को कंटेस्टेंट स्काउटओपी से यह पूछते हुए दिखाया गया कि उनके साथ बर्तन ध ोने के लिए और किसे कहा गया है। उनके पास खड़ी रीति जवाब देती हैं कि उन्हें यह काम सौंपा गया है लेकिन अभी वह सबके लिए चाय बनाने में व्यस्त हैं। क्लिप में रीति कहती हैं "मेरी ही ड्यूटी है बर्तन की, पर अभी मैं चाय बना रही हूं ना। फिर मैरी रीति से पूछती हैं, "चाय बनाने में कितना समय लगता है ? नाराज रीति मैरी से चाय बनाने के लिए कहती हैं। इसके बाद वह मैरी से यह कहकर बात को और बढ़ा देती हैं कि उन्हें पता है कि उन्हें क्या करना है। "मुझे पता है मुझे क्या करना है। मैं आपकी बहुत इज्जत करती हूं लेकिन मेरी पीठ पीछे मेरे बारे में बातें मत कीजिए," रीति प्रोमो में कहती हैं। मैरी जवाब देती हैं, "पूरी दुनिया मुझे जानती है। आप कौन हैं, मैं नहीं जानती। गुस्से में ऋति ने कहा कि दुनिया को मैरी कॉम का एक अलग पहलू भी देखने को मिलेगा। बिग बॉस भारत में बिग बॉस फ्रैंचाइजी का एक हिंदी–भाषा का रियलिटी टेलीविजन शो है, जो कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है। यह बिग ब्रदर के डच फॉर्मेट पर आधारित है। इसका 20वां सीजन 6 सितंबर को शुरू हुआ। इसमें 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट शामिल हैं, जिनमें एमसी मैरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, अरिशफा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, ऋति तिवारी, उदिति सिंह, तन्मय सिंह उर्फ स्काउटओपी, रोहेड खान, यंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं।

लेखक और निर्देशक को था किस बात का डर? रवि किशन के किरदार को बताया ग्रीन फ्लैग गैंगस्टर

मिर्जापुर फ्रेंचाइजी में इस बार अभिनेता और सांसद रवि किशन ने एंट्री ली थी। फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' में उनके किरदार बब्बन बबुआ को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। इस पर फिल्म के निर्देशक गुरमीत सिंह और निर्माता और लेखक पुनीत कृष्णा ने एक बातचीत बताया कि इस किरदार का फिल्म में संतुलन बनाना काफी मुश्किल था। फिल्म में गैंगस्टर बब्बन बाबू यादव का किरदार रवि किशन ने निभाया है। फिल्म के लेखत पुनीत ने एक बातचीत में कहा, 'कई युवतियों ने कहा है कि बब्बन बिल्कुल ग्रीन फ्लैग गैंगस्टर है। वह इतना समर्पित है कि अपनी मुमताज के लिए कपड़े तक सिलता है। गैंगस्टर होने की बात छोड़िए, कितने मर्द ऐसा करेंगे?' अपने इंटरव्यू में निर्देशक गुरमीत सिंह ने कहा, 'हमें तो सच में डर लगने लगा था कि क्लाइमेक्स सीन में लोग रवि किशन के प्रति इतना सहानुभूति दिखाने लगेंगे कि गुड्डू, बबलू और मुन्ना का साथ देना ही छोड़ देंगे। इसलिए हमें उसकी मौत को भी थोड़ा हल्का करना पड़ा। वह बहुत भावुक कर देने वाली घटना थी और लगभग फिल्म के खिलाफ जा रही थी। चंदू पंक्चर (सतेंद्र सोनी) की मौत को हमें जानबूझकर बहुत ज्यादा नाटकीय और क्रूर दिखाना पड़ा ताकि संतुलन बना रहे, क्योंकि लोगों को रवि किशन का किरदार बहुत पसंद आया था।' फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' में पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु की मच अवेटेड फिल्म मिर्जापुर द मूवी ने दर्शकों के दिल जीत लिए। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर दमदार शुरुआत की थी। पहले दिन इसने 25.75 करोड़ की कमाई की थी। फिल्म ने अब तक 126.32 करोड़ का कारोबार किया है।

टैनिंग दूर करने से लेकर स्किन को ब्राइटन करने में मदद करेगा चुकंदर

चुकंदर की मदद से स्किन को बेहद आसानी से ब्राइटन बनाया जा सकता है। आप इसे संतरे के छिलके के पाउडर के मिक्स करके अप्लाई कर सकते हैं। अगर आपको इन दिनों टैनिंग की समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो ऐसे में चुकंदर का इस्तेमाल करना यकीनन काफी अच्छा माना जाता है।

अपनी स्किन को नेचुरली ग्लोइंग बनाने की चाहत तो हम सभी की होती है और इसके लिए हम कई सारे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल भी करते हैं। लेकिन वास्तव में आपकी किचन में ही ऐसी कई चीजें होती हैं जो आपकी स्किन के लिए किसी जादू की तरह काम करती हैं। इन्हीं में से एक है चुकंदर। इसका सेवन करना सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। लेकिन यह आपकी स्किन के लिए भी उतना ही लाभकारी है। इसे स्किन पर लगाने से ना केवल आपको ग्लोइंग स्किन मिलती है, बल्कि एजिंग के साइन्स यहां तक कि टैनिंग से भी छुटकारा मिलता है। आप चुकंदर को अपनी स्किन पर कई अलग–अलग तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं–

ब्राइटन स्किन के लिए चुकंदर

चुकंदर की मदद से स्किन को बेहद आसानी से ब्राइटन बनाया जा सकता है। आप इसे संतरे के छिलके के पाउडर के मिक्स करके अप्लाई कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री–

– दो चम्मच संतरे के छिलके का पाउडर

– एक चम्मच चुकंदर का रस

इस्तेमाल का तरीका–

– सबसे पहले आप एक बाउल में संतरे के छिलके के पाउडर और चुकंदर का रस डालें।

– इसे अच्छी तरह मिक्स करके स्मूद पेस्ट बना लें।

– अब आप अपने फेस को क्लीन करके चेहरे पर लगाएं।

– करीबन 15 मिनट बाद आप चेहरे को क्लीन कर लें।

टैनिंग दूर करने के लिए चुकंदर

अगर आपको इन दिनों टैनिंग की समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो ऐसे में चुकंदर का इस्तेमाल करना यकीनन काफी अच्छा माना जाता है।

आवश्यक सामग्री–

– एक चम्मच चुकंदर का रस

– एक चम्मच खट्टी क्रीम

इस्तेमाल का तरीका–

– फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले चुकंदर का रस और खट्टी क्रीम डालकर मिक्स करें।

– जब स्मूद पेस्ट बन जाए तो आप अपने फेस को क्लीन करके इसे लगाएं।

– इसे आप लगभग 20–25 मिनट तक लगा रहने दें।

– अंत में, फेस को अच्छी तरह क्लीन करके मॉइश्चराइजर लगाएं।

स्मूथ स्किन के लिए चुकंदर

अगर आप एक स्मूथ और ब्यूटीफुल स्किन पाना चाहती हैं तो इसमें भी चुकंदर आपकी काफी मदद कर सकता है।

आवश्यक सामग्री–

– तीन चम्मच दही

– दो चम्मच चुकंदर का रस

इस्तेमाल का तरीका–

– फेस पैक को बनाने के लिए दही और चुकंदर का रस डालकर मिक्स करें।

– अब आप इसे अपने पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं।

– करीबन 15 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें।

– अंत में, आप चेहरे को पानी से धो लें।

गणेश चतुर्थी पर घर में ले आएं बप्पा की ऐसी प्रतिमा, सुख–समृद्धि से भर जाएगा आशियाना

इस बार गणेश चतुर्थी 19 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन भक्त मंगल कामना और सुख–समृद्धि के लिए घर में प्रथम पूजनीय गणेश जी की स्थापना करते हैं और पूरे नियमों के अनुसार, 10 दिनों तक बप्पा की पूजा अर्चना करते हैं। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, घर में गणेश जी की प्रतिमा लाने से पहले कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। इसके अलावा गणेश जी की कुछ प्रतिमाएं घर में रखनी शुभ मानी जाती हैं। चलिएआपको बताते हैं कि घर में गणेश जी की कैसी प्रतिमा रखनी चाहिए...

ऐसी प्रतिमा लाएगी शुभता

गणेश जी की घर में ऐसी प्रतिमा रखनी शुभ मानी जाती है जिसमें उनकी सूंड बाएं हाथ की ओर घूमी हो। मान्यताओं के अनुसार, ऐसी प्रतिमा घर में रखने से व्यक्ति के जीवन में सुख–समृद्धि आती है और सफलता भी मिलती है। इसके अलावा दाएं ओर वाली झुकी हुई सूंड की प्रतिमा भी घर में रखना बहुत ही शुभ मानी जाती है।

इस रंग की मूर्ति जगाएगी आत्मविश्वास

वास्तु शास्त्र के अनुसार, आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए घर में लाल सिंदूर के रंग की गणेश जी की मूर्ति शुभ मानी जाती है। इसके अलावा सुख–समृद्धि और शांति के लिए सफेद रंग की मूर्ति घर में रखनी शुभ मानी जाती है।

इस दिशा में रखें मूर्ति

गणेश जी की मूर्ति उत्तर दिशा में रखनी शुभ मानी जाती है क्योंकि इस दिशा में मां लक्ष्मी और भगवान शिव का वास होता है। इसके अलावा मूर्ति घर में रखते समय इस बात का ध्यान रखें कि गणेश जी का मुख घर के मुख्य द्वार की ओर हो।

मूर्ति में हो मूषक और मोदक

घर में श्रीगणेश की मूर्ति लाते समय इस बात का ध्यान रखें कि इसमें मूषक और बप्पा के हाथों में मोदक जरुर हों क्योंकि मोदक गणेश जी को अति प्रित हैं और मूषक बप्पा का वाहन है। इसलिए ऐसी मूर्ति घर में लाना शुभ मानी जाती है।

घर में रहेगी सुख शांति

घर में ऐसी मूर्ति लानी भी शुभ होती है जिसमें गणेश जी एक आसन पर विराजमान हो या मुद्रा में लेटे हो। ऐसी मूर्ति घर में लाने से सुख और आनंद बढ़ता है।

जल्दी वजन घटाने के लिए ब्रेकफास्ट से पहले 15 दिन पिएं ये ड्रिंक, जानें पीने का सही तरीका

वजन कम करने के लिए सिर्फ जिम जाना ही जरूरी नहीं है। संतुलित डाइट, रोजाना की फिजिकल एक्टिविटी और अच्छी नींद भी वजन मैनेजमेंट में अहम भूमिका निभाती हैं। अगर आप अपनी सुबह की शुरुआत किसी हल्की और गर्म ड्रिंक से करना चाहते हैं, तो सौंफ और अदरक से बनी यह ड्रिंक आजमा सकते हैं। सौंफ का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से पाचन से जुड़ी कुछ परेशानियों में किया जाता है, जबकि अदरक इस ड्रिंक को स्वाद और गर्माहट देता है। तो आइए जानते हैं इसे बनाने का सही तरीका और इसे कब और कैसे पीना चाहिए।

ड्रिंक बनाने के लिए चाहिए

सौंफ : 1 चम्मच

पानी : 1 गिलास

अदरक : थोड़ा सा

काली मिर्च : चुटकी भर

शहद : स्वादानुसार

कैसे बनाएं सौंफ–अदरक की ड्रिंक?

रात को एक गिलास पानी में 1 चम्मच सौंफ डालकर भिगो दें।

सुबह सौंफ सहित पानी को एक पैन में डालकर उबालें।

इसमें थोड़ा सा कद्दूकस किया हुआ अदरक और एक चुटकी काली मिर्च डाल सकते हैं।

कुछ मिनट धीमी आंच पर पकाने के बाद इसे छानकर कप में निकाल लें।

ड्रिंक के हल्का गुनगुना होने पर स्वाद के लिए थोड़ी मात्रा में शहद मिला सकते हैं।

इसे कब पी सकते हैं?

अगर आपको यह ड्रिंक सूट करती है, तो इसे सुबह नाश्ते से पहले या नाश्ते के साथ लिया जा सकता है। हालांकि, खाली पेट पीना जरूरी नहीं है और वजन घटाने के लिए इसे किसी खास समय पर पीने का वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित लाभ नहीं है। अगर खाली पेट अदरक या मसालों से आपको जलन, एसिडिटी या पेट की परेशानी होती है, तो इसे खाली पेट न लें।

क्या इससे वजन कम होगा?

सौंफ–अदरक की ड्रिंक को अकेले वजन घटाने का तरीका नहीं माना जा सकता। वजन कम होने के लिए शरीर द्वारा खर्च की जाने वाली कैलोरी और भोजन से मिलने वाली कैलोरी के बीच संतुलन महत्वपूर्ण होता है। इस ड्रिंक को मीठे या ज्यादा कैलोरी वाले पेय की जगह लेने से कुल कैलोरी सेवन कम करने में मदद मिल सकती है, लेकिन 15 दिन में निश्चित वजन घटने की गारंटी नहीं दी जा सकती। इसी तरह शरीर से "विषैले पदार्थ" निकालने के लिए किसी खास डिटॉक्स ड्रिंक की जरूरत नहीं होती। शरीर का लिवर और किडनी इस काम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सौंफ और अदरक के क्या फायदे हो सकते हैं?

सौंफ का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से गैस और पाचन संबंधी असहजता में किया जाता रहा है। अदरक में ऐसे यौगिक पाए जाते हैं जिन पर मतली और पाचन से जुड़े संभावित लाभों के लिए अध्ययन हुए हैं। हालांकि, इन चीजों के संभावित फायदे का मतलब यह नहीं है कि यह ड्रिंक मोटापा या अतिरिक्त फैट को सीधे खत्म कर देती है।

पिंपल्स से हैं परेशान, बर्फ और ग्रीन टी का ये नुस्खा दे सकता है राहत

शादी, पार्टी या किसी खास इवेंट से कुछ दिन पहले चेहरे पर अचानक पिंपल निकल आए तो चिंता होना स्वाभाविक है। पिंपल न सिर्फ चेहरे की खूबसूरती को प्रभावित कर सकता है, बल्कि उसके आसपास लालिमा, सूजन और हल्का दर्द भी हो सकता है। ऐसे में कई लोग तुरंत राहत के लिए घरेलू नुस्खे आजमाते हैं। इन्हीं में से एक तरीका है ग्रीन टी और बर्फ का इस्तेमाल। ग्रीन टी में मौजूद कुछ एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकते हैं, जबकि ठंडी सिकाई पिंपल के आसपास की सूजन और लालिमा को कुछ समय के लिए कम करने में मदद कर सकती है। हालांकि, यह मुंहासों का स्थायी इलाज नहीं है और संवेदनशील त्वचा पर सावधानी से इस्तेमाल करना चाहिए।

पिंपल्स पर कैसे काम कर सकती है ग्रीन टी और बर्फ?

ग्रीन टी में पॉलीफेनॉल जैसे यौगिक पाए जाते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट और सूजन कम करने वाले गुण होते हैं। वहीं, ठंडी सिकाई प्रभावित हिस्से में सूजन और लालिमा को अस्थायी रूप से कम कर सकती है। इसलिए अगर किसी पिंपल में ज्यादा सूजन या रेडनेस है, तो ग्रीन टी से बने आइस क्यूब की हल्की सिकाई कुछ लोगों को राहत दे सकती है।

ऐसे बनाएं ग्रीन टी आइस क्यूब

इसे तैयार करना काफी आसान है। इसके लिए इन स्टेप्स को फॉलो करें

सबसे पहले एक कप पानी उबालें।

इसमें 1–2 ग्रीन टी बैग या करीब एक चम्मच ग्रीन टी की पत्तियां डालें।

इसे करीब 5 मिनट तक ढककर रखें और फिर ग्रीन टी को छान लें।

चाय को पूरी तरह ठंडा होने दें।

अब इसे साफ आइस ट्रे में डालकर फ्रीजर में जमा लें।

आइस क्यूब पूरी तरह जमने के बाद ही इसका इस्तेमाल करें।

चेहरे पर लगाने का सही तरीका

बर्फ को सीधे त्वचा पर रगड़ना सही नहीं है, क्योंकि इससे जलन या त्वचा को नुकसान हो सकता है।

इसलिए ग्रीन टी आइस क्यूब का इस्तेमाल इस तरह करें

सबसे पहले चेहरे को माइल्ड क्लींजर से साफ कर लें।

एक साफ और पतले सूती कपड़े में ग्रीन टी आइस क्यूब लपेटें।

इसे पिंपल वाली जगह पर हल्के हाथों से लगाएं।

लगातार रगड़ने के बजाय थोड़ी–थोड़ी देर के लिए हल्की सिकाई करें।

त्वचा में तेज जलन, सुन्नपन या असहजता महसूस हो तो तुरंत इस्तेमाल बंद कर दें।

आइसिंग के बाद ऐसे रखें त्वचा का ख्याल

ठंडी सिकाई के बाद त्वचा को मॉइस्चराइज करना जरूरी है। चेहरे को रगड़कर सुखाने के बजाय मुलायम तौलिए से हल्के हाथों से थपथपा कर सुखाएं। इसके बाद अपनी त्वचा के अनुसार नॉन–कॉमेडोजेनिक या ऑयल–फ्री मॉइश्चराइजर लगाया जा सकता है। अगर दिन में बाहर निकलना है, तो सनस्क्रीन का इस्तेमाल भी करें।

क्या इससे पिंपल के दाग भी मिट जाएंगे?

ग्रीन टी आइस क्यूब से पिंपल की सूजन या लालिमा में अस्थायी राहत मिल सकती है, लेकिन पिंपल के पुराने दाग या मुंहासों के निशान मिटाने का यह प्रमाणित इलाज नहीं है। मुंहासों के दाग लंबे समय तक बने रहते हैं तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है।

किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए?

अगर आपकी त्वचा बहुत संवेदनशील है, चेहरे पर कट या घाव है, या बर्फ लगाने से पहले ही त्वचा में जलन रहती है, तो इस उपाय से बचना बेहतर है। साथ ही, बार–बार होने वाले, दर्दनाक या बहुत ज्यादा मुंहासों के लिए केवल घरेलू नुस्खों पर निर्भर न रहें।

संक्षिप्त

अल्काराज क्वार्टर-फाइनल में हारे, बेन शेल्टन ने कड़े मुकाबले में हराया, पेगुला का सामना सबालेंका से

न्यूयॉर्क,एजेंसी। यूएस ओपन का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। ग्रैंडस्लैम में फिलहाल न्यूयॉर्क के आर्थल ऐश स्टेडियम में दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेन के कार्लोस अल्काराज का मुकाबला अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन से हुआ। क्वार्टर फाइनल के इस मैच में शेल्टन ने कड़े मुकाबले में डिफेंडिंग चौंपियन अल्काराज को 6–7, 6–1, 6–3, 1–6, 7–6 (टाई ब्रेक में 10–7) से हरा दिया। वहीं, महिला एकल में जेसिका पेगुला का सामना सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर–1 सबालेंका से होगा। पहला सेट टाई ब्रेक में अल्काराज ने जीता था। वहीं, दूसरे सेट में शेल्टन ने जबरदस्त वापसी की और 6–1 से सेट अपने नाम किया। फिर तीसरे सेट में भी शेल्टन ने 6–3 से आसानी से जीत दर्ज की। फिर चौथे सेट में अल्काराज ने जबरदस्त वापसी करते हुए 6–1 से जीत दर्ज की। पांचवां और निर्णायक सेट 6–6 की बराबरी पर पहुंचा और टाई ब्रेक में गया। टाई ब्रेक में शेल्टन ने 10–7 से जीत हासिल की। यह मुकाबला करीब साढ़े चार घंटे के आसपास चला। अब सेमीफाइनल में शेल्टन का सामना फ्रांसिस टियाफो से होगा। टियाफो ने चार घंटे 38 मिनट चले क्वार्टरफाइनल मुकाबले में मिशेलसन को 5–7, 3–6, 7–5, 6–3, 7–6(10–6) से हराया था। 23 साल के शेल्टन अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीता है। वह 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2023 यूएस ओपन के सेमीफाइनल में हारकर बाहर हुए थे, जो उनका अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला ने शानदार वापसी करते हुए हमवतन एमा नवारो को 3–6, 6–4, 6–3 से हराया। दो घंटे 21 मिनट चले मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बाद पेगुला ने लगातार दो सेट जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। यह यूएस ओपन में उनका लगातार तीसरा सेमीफाइनल और किसी ग्रैंड स्लैम में चौथा अंतिम–चार चरण है। अब उनका सामना दुनिया की नंबर–1 खिलाड़ी और दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को कड़े मुकाबले में 7–6(1), 3–6, 7–6(7) से हराया।

भारतीय शेयर बाजार कमजोर वैश्विक संकेतों से लाल निशान में खुला, आईटी और सर्विसेज पर दबाव

मुंबई,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में खुला। सुबह 9रू22 पर सेंसेक्स 533 अंक या 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,044 और निफ्टी 135 अंक या 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,498 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव बनाने का काम आईटी और सर्विसेज सेक्टर ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी और निफ्टी सर्विसेज टॉप लूजर्स थे। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी कंज्पशन, निफ्टी ऑयलएंडगैस और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग भी लाल निशान में थे। वहीं, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी पीएसई, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मेटल और निफ्टी कमोडिटीज हरे निशान में थे। सेंसेक्स पैक में एलएंडटी, एनटीपीसी, सन फार्मा, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, बीईएल, अदाणी पोर्ट्स और कोटक महिंद्रा बैंक गेनर्स थे। एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचयूएल, एमएंडएम, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट,आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, एसबीआई, एक्सिस बैंक, आईटीसी, टाइटन, मारुति सुजुकी और एशियन पेंट्स लूजर्स थे। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हुआ है। टोक्यो, शंघाई, बैंकॉक और सोल हरे निशान में थे, जबकि जकार्ता लाल निशान में था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को लाल निशान में बंद हुए थे। मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 1.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और नैस्डैक 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। जानकारों ने कहा कि अभी मार्केट पर दो बड़ी चुनौतियों का असर पड़ रहा है। पहली, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जो अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल रही है। दूसरी, तेजी से बढ़ते आईपीओ मार्केट की वजह से मार्केट से लिक्विडिटीकम हो रही है, जिससे निफ्टी में लगातार गिरावट देखी जा रही है। शायद, दूसरी वजह का असर पहली वजह से ज्यादा है। उन्होंने आगे कहा कि जून के बाद से आईपीओ से होने वाला लिस्टिंग गेन बढ़कर लगभग 22 प्रतिशत हो गया है, जिससे रिटेल और इंस्टीट्यूशनल, दोनों तरह के निवेशक आईपीओ मार्केट की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यह बात समझ में आती है क्योंकि इस साल अब तक निफ्टी का रिटर्न –9.5 प्रतिशत रहा है। यहां तक कि एफआईआई, जिन्होंने इस साल अब तक एक्सचेंजों के जरिए 2,84,000 करोड़ रुपए की इक्विटी बेची है, उन्होंने भी इस साल अब तक आईपीओ में लगभग 36,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

वैभव सूर्यवंशी को बड़े मैचों का खिलाड़ी क्यों कहा जा रहा? 2026 में दबाव बढ़ा तो बल्ला और गरजा

चेन्नई,एजेंसी। क्रिकेट में प्रतिभा दिखाना एक बात है, लेकिन बड़े मुकाबले में प्रतिभा को प्रदर्शन में बदलना बिल्कुल अलग चुनौती है। लीग मैचों में रन बनाने वाले कई खिलाड़ी जब मुकाबला करो या मरो की स्थिति में पहुंचते हैं, तो दबाव उनके खेल पर साफ दिखाई देता है, लेकिन वैभव सूर्यवंशी की 2026 की कहानी कुछ अलग है। सिर्फ 15 साल की उम्र में बिहार के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अंडर–19 क्रिकेट से लेकर आईपीएल और घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट तक लगातार ऐसे मुकाबलों में रन बनाए हैं, जहां एक गलती पूरी टीम का सफर खत्म कर सकती थी। उनके आंकड़ों को अगर सिर्फ स्कोर के तौर पर देखा जाए तो ये प्रभावशाली हैं, लेकिन जब इन पारियों का मंच और मुकाबले की स्थिति देखी जाती है, तो कहानी और बड़ी हो जाती है। यही वजह है कि वैभव को अब 'बिग–गेम फेनोम' यानी बड़े मैचों में चमकने वाले खिलाड़ी के तौर पर देखा जाने लगा है। 2026 के अंडर–19 विश्व कप में वैभव ने भारत के लिए आक्रामक बल्लेबाजी की मिसाल पेश की, लेकिन उनके अभियान की सबसे खास बात यह रही कि टूर्नामेंट के सबसे महत्वपूर्ण मुकाबलों में उनका बल्ला और ज्यादा चला। अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में भारत को फाइनल का टिकट हासिल करना था। इस दबाव भरे मुकाबले में वैभव ने सिर्फ 33 गेंदों पर 68 रन ठोक दिए। उनकी तेज पारी ने भारतीय टीम को शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाने का मौका दिया। इसके बाद आया फाइनल। इंग्लैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में वैभव ने 80 गेंदों पर 175 रन की तूफानी पारी खेल दी। यह सिर्फ एक शतक नहीं था, बल्कि ऐसा प्रदर्शन था जिसने मैच का रुख ही बदल दिया। इस पारी में उन्होंने 15 चौके और 15 छक्के लगाए। यानी सेमीफाइनल में 68 और फाइनल में 175, जैसे–जैसे टूर्नामेंट का महत्व बढ़ा, वैभव का प्रदर्शन भी उसी अनुपात में बड़ा होता गया।

अंडर–19 क्रिकेट में धमाल मचाने के बाद सबसे बड़ा सवाल था कि क्या वैभव सीनियर स्तर पर भी दबाव झेल पाएंगे? आईपीएल ने इसका जवाब दे दिया। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए वैभव ने पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन किया और 776 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपनी अलग पहचान बनाई। लेकिन यहां भी खास बात उनका नॉकआउट प्रदर्शन रहा। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबला करो या मरो का था। हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर होनी थी। ऐसे मुकाबले में वैभव ने महज 29 गेंदों पर 97 रन ठोक दिए। यह पारी इसलिए और खास थी क्योंकि प्लेऑफ में बल्लेबाज पर सामान्य मुकाबले से कहीं ज्यादा दबाव होता है। लेकिन वैभव ने उस दबाव को अपने ऊपर हावी होने देने के बजाय गेंदबाजों पर डाल दिया। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालिफायर में उन्होंने 47 गेंदों पर 96 रन बनाए। यानी आईपीएल के लगातार दो सबसे महत्वपूर्ण मुकाबलों में वैभव के स्कोर रहे 97 (29) और 96 (47)। एक 15 साल के बल्लेबाज के लिए यह आंकड़ा अपने आप में असाधारण है। वैभव की यह आदत सिर्फ आईपीएल तक सीमित नहीं रही। श्रीलंका ए के खिलाफ ट्राई–सीरीज के फाइनल में भी उन्होंने भारत ए के लिए शानदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 29 गेंदों पर 94 रन बना डाले। गौर करने वाली बात यह है कि यहां भी मुकाबला फाइनल था। यानी 2026 में जब–जब मैच का महत्व बढ़ा, वैभव ने अपनी बल्लेबाजी की रफ्तार कम करने के बजाय उसे और तेज किया। दलीप ट्रॉफी ने वैभव के खेल का एक दूसरा पहलू दिखाया। सफेद गेंद की विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाने वाले इस युवा खिलाड़ी ने लाल गेंद के क्रिकेट में भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। सेंट्रल जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने पहली पारी में 92 रन बनाए और दूसरी पारी में भी तेज 40 रन जोड़े। यहां सिर्फ रन महत्वपूर्ण नहीं थे। दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित घरेलू टूर्नामेंट में सीनियर खिलाड़ियों के बीच खेलते हुए वैभव ने दिखाया कि उनका खेल सिर्फ तेज गेंदबाजों पर बड़े शॉट लगाने तक सीमित नहीं है। ईस्ट जोन के लिए खेलते हुए उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी भी मिली। कप्तान ईशान किशन के चोटिल होने पर वैभव ने टीम की कमान संभाली और मैदान पर अपने फैसलों से भी प्रभावित किया। फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ भी उनका बल्ला चला और उन्होंने 44 रन की तेज पारी खेली। वैभव की कहानी को सिर्फ उनकी उम्र या उनके रिकॉर्ड के नजरिए से देखना शायद अधूरा होगा। असली सवाल यह है कि इतनी कम उम्र में वह बड़े मुकाबलों के दबाव को संभाल कैसे रहे हैं? उनकी बल्लेबाजी में एक खास बेखौफ अंदाज दिखाई देता है। वह शुरुआत से ही गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं और परिस्थिति के हिसाब से अपनी बल्लेबाजी की रफ्तार बदलने में भी सक्षम दिखे हैं।

टीम इंडिया को अगले साल मार्च तक कौन से मैच खेलने हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम का अगले कुछ दिनों में कार्यक्रम काफी व्यस्त है। भारत का घरेलू सीजन भी शुरू हो चुका है जिसमें स्टार खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे हैं। फिलहाल दलीप ट्रॉफी का फाइनल ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच खेला जा रहा है। दलीप ट्रॉफी 10 सितंबर को खत्म हो रही है, लेकिन इसके बाद भी घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का शेड्यूल जारी रहेगा। सितंबर से लेकर अगले साल मार्च तक भारतीय खिलाड़ियों का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। इस दौरान घरेलू क्रिकेट के साथ ही कई अंतरराष्ट्रीय सीरीज भी खेली जानी है। दलीप ट्रॉफी के बाद भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेलती नजर आएगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला टी20 13 सितंबर, दूसरा 15 सितंबर और तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को होगा। यानी भारत और अफगानिस्तान के बीच पूरी टी20 सीरीज पांच दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया था। भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने उतरेगी। इस टीम में सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की अगुआई में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक का बचाव करने उतरेगी। भारत ने हांगझू एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। पिछले बार की तरह इस बार भी एशियाड में क्रिकेट की प्रतिस्पर्धा टी20 प्रारूप में होगी।

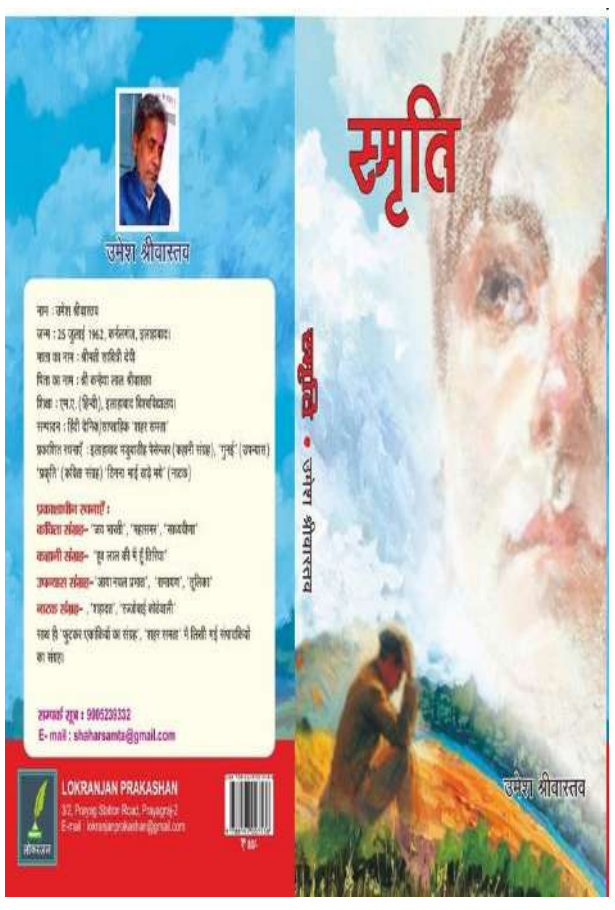

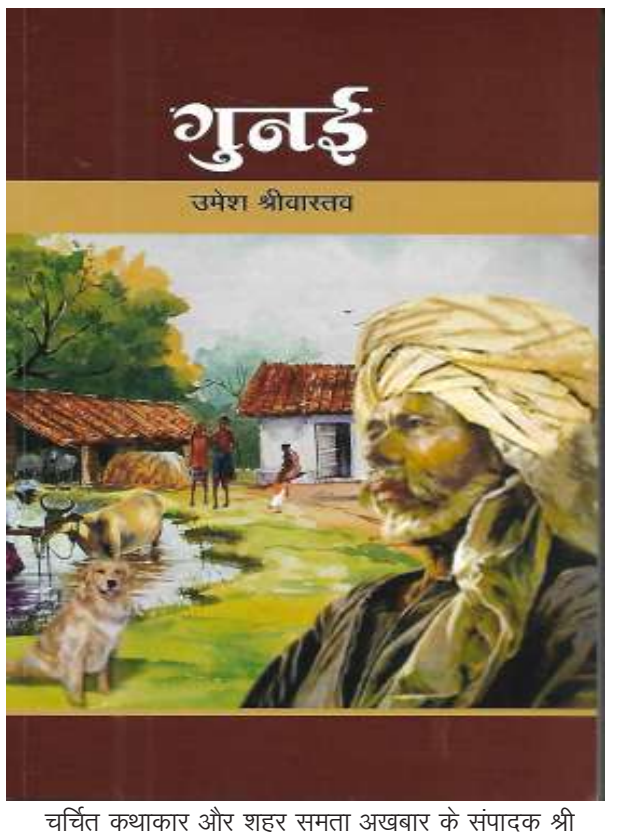

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

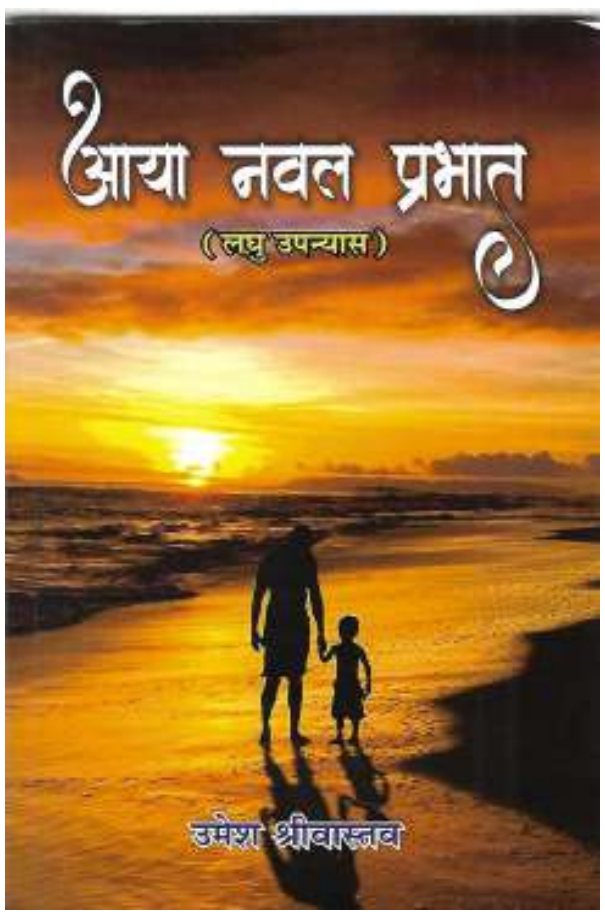

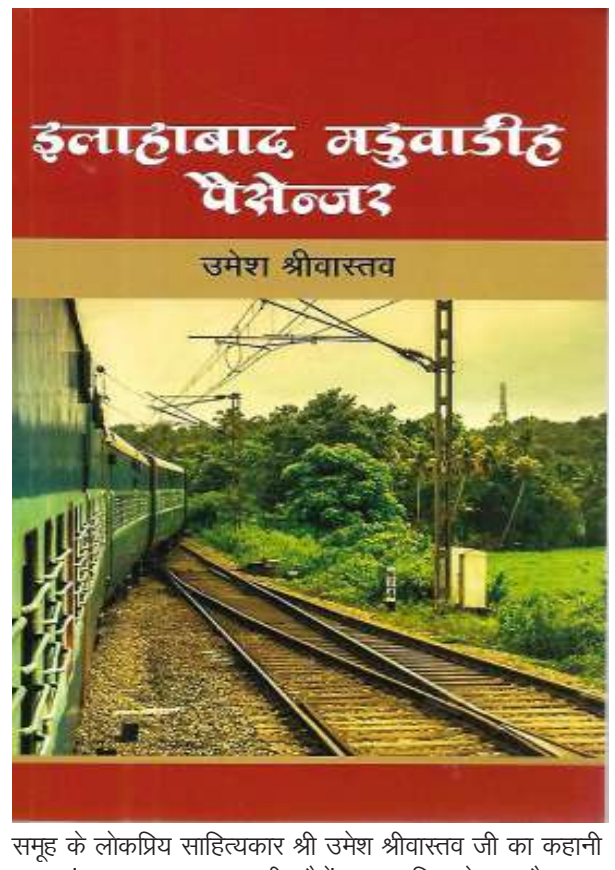

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

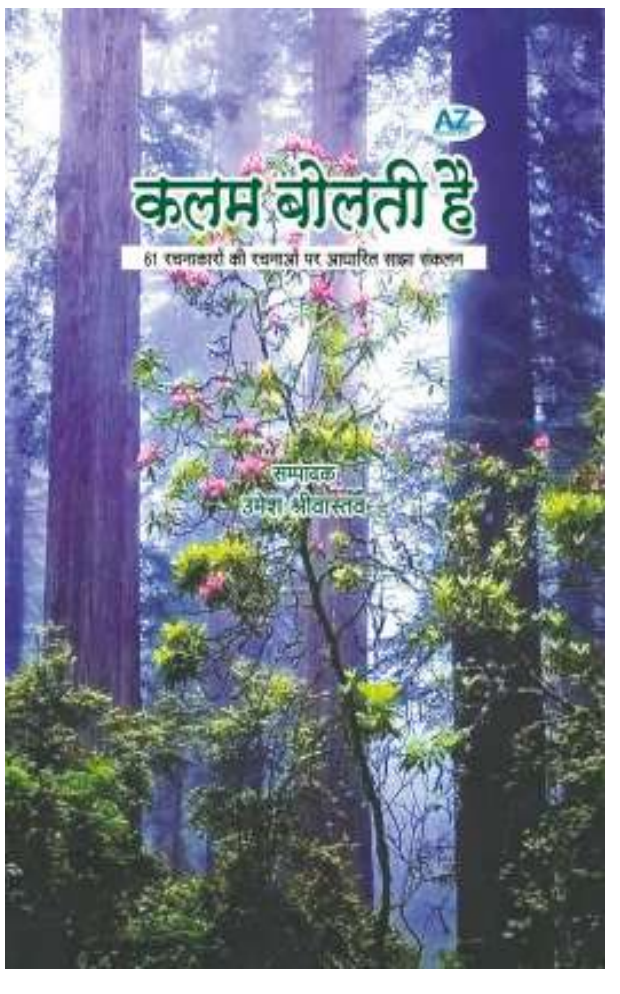

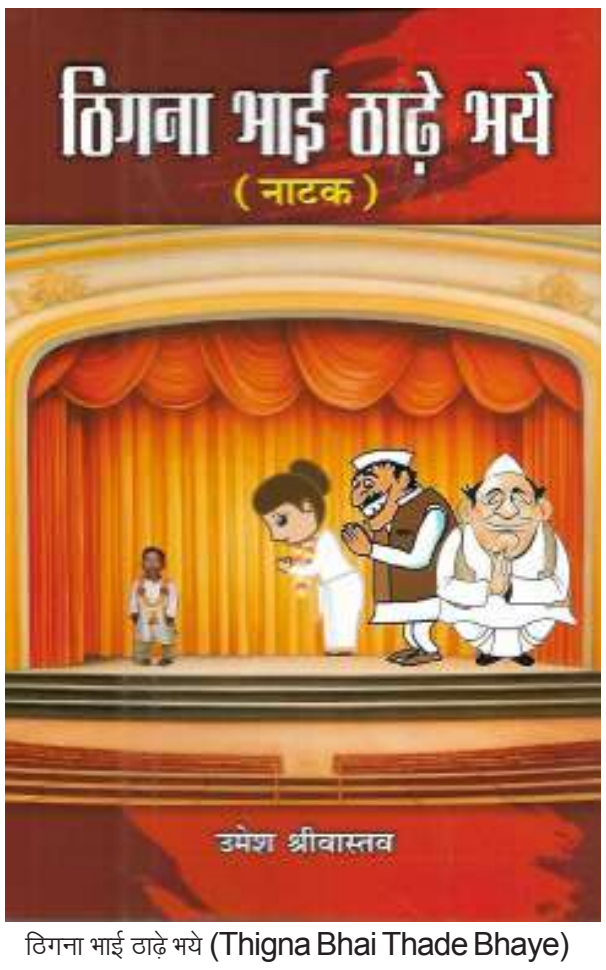

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

क्या ब्रिक्स से दूरी बनाएगा बांग्लादेश, विदेश मंत्री ने क्या कहा?

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के अध्यक्ष के तौर पर कार्यभार संभाला और इस वैश्विक संस्था के सालाना सत्र की अध्यक्षता की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद पत्रकारों से उन्होंने बात किया। पत्रकारों से बात करते हुए जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत दौरे को लेकर उनसे सवाल किया तो उन्होंने जवाब देने से इंकार कर दिया। उन्होंने इस सवाल को टालते हुए कहा,मैं यहां अपनी राष्ट्रीय हैसियत से नहीं आया हूं, इसलिए कृपया मुझे माफ करें...मैं आप सभी से अनुरोध करूंगा कि मुझसे सवाल पूछें या मुझसे महासभा के अध्यक्ष के तौर पर बात करें। अगर कोई द्विपक्षीय मुद्दा है, तो मैं अभी भी विदेश मंत्री हूंय मैं अलग से बात करूंगा। भारत ने तारिक रहमान को बिम्सटेक (बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी–सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) के मौजूदा अध्यक्ष के तौर पर ब्रिक्स समिट के आउटरीच सत्र में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। भारत–बांग्लादेश के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच अब ढाका के समिट में शामिल होने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारत 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में सालाना ब्रिक्स समिट की मेजबानी कर रहा है। इस दौरान कई अहम वैश्विक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा होने की उम्मीद है। इनमें पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक प्रभाव भी शामिल हैं। बिम्सटेक एक क्षेत्रीय समूह है, जिसमें भारत, श्रीलंका, थाईलैंड, बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल और भूटान शामिल हैं। समिट में बांग्लादेश की भागीदारी पर सभी की नजरें होंगी, क्योंकि भारत के साथ उसके रिश्ते तनावपूर्ण हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि नई दिल्ली ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को राजनीतिक शरण देने का फैसला किया है। हसीना अगस्त 2024 में युवाओं के नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद सत्ता से हटाए जाने के बाद भारत आ गई थीं। इससे पहले मंगलवार को नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ब्रिक्स समिट में बांग्लादेशी प्रधानमंत्री की भागीदारी को लेकर ढाका की ओर से अभी तक कोई पुष्टि या नई जानकारी नहीं मिली है। BRICS में शुरुआत में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे। वर्ष 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल करके इसका विस्तार किया गया, जबकि 2025 में इंडोनेशिया भी इसमें शामिल हो रहा है। यह समूह एक प्रभावशाली वैश्विक मंच के रूप में उभरा है, क्योंकि यह दुनिया की 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है। इन देशों की हिस्सेदारी वैश्विक आबादी में लगभग 49.5 प्रतिशत, वैश्विक BRICS में करीब 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार में लगभग 26 प्रतिशत है।

पाकिस्तान ने दी धमकी, करेंगे पलटवार, मिर्ची लगने की वजह क्या?

इस्लामाबाद,एजेंसी। यमन के हूतियों ने सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन दागे तो पाकिस्तान ने तुरंत अपना रुख साफ कर दिया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि सऊदी अरब पर हमला हुआ तो इसे सिर्फ सऊदी की लड़ाई नहीं माना जाएगा। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए मक्का रक्षा समझौते का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक सदस्य पर हमला तीनों पर हमला माना जाएगा। यानी सऊदी पर संकट आया तो पाकिस्तान पीछे हटने वाला नहीं है। हालांकि पाकिस्तान ने यह भी साफ किया कि समझौता किसी दूसरे देश पर हमला करने के लिए नहीं है। पाकिस्तान, सऊदी और तुर्किये ने अगस्त में मक्का में रक्षा समझौता किया था। समझौते के तहत एक सदस्य पर हमला तीनों के खिलाफ हमला माना जाएगा। ख्वाजा आसिफ ने सऊदी के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने समझौते को रक्षात्मक बताया, आक्रामक सैन्य गठबंधन नहीं। मंगलवार को ईरान समर्थित हूतियों ने सऊदी अरब के कई इलाकों को निशाना बनाया। मिसाइलों और ड्रोन से हुए हमलों में शहरों के साथ आर्थिक और ऊर्जा ढांचे को भी निशाना बनाया गया। कम से कम 73 नागरिक घायल हुए। हमलों के बाद सऊदी अरब ने भी अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की बात कही। यानी यमन का संघर्ष अब सऊदी की जमीन और उसके अहम ठिकानों तक पहुंच गया है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अगर यमन का संघर्ष सऊदी अरब तक फैलाने की कोशिश की गई तो मक्का समझौते की सामूहिक रक्षा वाली धाराएं लागू हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान समझौते की शर्तों से बंधा है और जरूरत पड़ने पर सऊदी अरब के साथ खड़ा होगा। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि आसिफ ने यह भी कहा कि उन्हें हूती हमलों के बाद पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच किसी संपर्क की जानकारी नहीं है। ऐसा कहना अभी जल्दबाजी होगी। आसिफ ने खुद कहा कि मक्का समझौता आक्रामक समझौता नहीं है। यानी पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये अपनी तरफ से किसी देश पर हमला नहीं करेंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

दो महीने पहले जेल में हुए दंगे में मारा गया था भारतीय, पुलिस सुरक्षा में दफनाया गया शव

श्रीलंका के नेगोम्बो जेल में जुलाई में हुए भीषण दंगे में मारे गए 73 वर्षीय भारतीय नागरिक उन्नीकृष्णन एस को अदालत के आदेश पर 2 सितंबर को सरकारी खर्च से पुलिस सुरक्षा में दफनाया गया। वह केरल के रहने वाले थे और लंबे समय से चेन्नई में परिवार के साथ रह रहे थे। श्रीलंका की जेल में जुलाई में हुए घातक दंगे के दौरान जान गंवाने वाले 73 वर्षीय भारतीय नागरिक को मंगलवार को विशेष पुलिस सुरक्षा के बीच दफना दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि नेगोम्बो की जेल में हुई हिंसा में मारे गए इस भारतीय कैदी का अंतिम संस्कार अदालत के आदेश पर और सरकारी खर्च से कराया गया। इस दौरान कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग के अधिकारी भी मौजूद रहे। क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट ने मंगलवार को नेगोम्बो मजिस्ट्रेट कोर्ट को बताया कि 73 वर्षीय कैदी को 2 सितंबर को अदालत के आदेश के मुताबिक दफनाया गया। अंतिम संस्कार का पूरा खर्च सरकार ने उठाया और इस दौरान सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। CID के अधिकारियों ने अदालत को बताया कि कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग के अधिकारी भी मृतक के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दफनाने की प्रक्रिया के दौरान पुलिस की विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, मृतक की पहचान उन्नीकृष्णन एस के रूप में हुई है। वह मूल रूप से केरल के रहने वाले थे, लेकिन पिछले चार दशकों से अधिक समय से चेन्नई में अपने परिवार के साथ रह रहे थे। रिपोर्टों के अनुसार, उन्नीकृष्णन 2 मार्च को श्रीलंका पहुंचे थे। वहां उन्हें गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें नेगोम्बो जेल भेज दिया गया, जहां 5 और 6 जुलाई को कैदियों के बीच हुई हिंसक झड़पों के दौरान उनकी मौत हो गई। CID ने मुख्य मजिस्ट्रेट शिलानी परेरा को बताया कि मौत के समय उन्नीकृष्णन द्वारा पहने गए कपड़े और जूते अदालत को सौंप दिए गए हैं। इन सामानों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, ताकि मामले की जांच में इनसे मिलने वाले सबूतों का इस्तेमाल किया जा सके।

अदालत में जेल दंगे से जुड़े मामले की सुनवाई जारी है। इस हिंसा में कुल 22 कैदियों और 10 जेल अधिकारियों की मौत हुई थी, जबकि करीब 100 लोग घायल हुए थे। यह घटना हाल के वर्षों में श्रीलंका में जेल के भीतर हुई सबसे घातक हिंसक घटनाओं में शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को पांच संदिग्धों की पहचान परेड कराई गई। इसके अलावा 10 सितंबर को 11 अन्य संदिग्धों की पहचान परेड आयोजित की जानी है। पुलिस और जांच एजेंसियां दंगे में शामिल लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी हैं। अधिकारियों के मुताबिक, जेल हिंसा के सिलसिले में कुल 81 संदिग्धों के खिलाफ मुकदमा चलाए जाने की उम्मीद है। मामले की जांच के दौरान जुटाए जा रहे सबूतों और पहचान परेड के आधार पर आरोपियों की भूमिका तय की जा रही है। जुलाई में हुआ यह दंगा कैदियों के बीच नशीले पदार्थों को लेकर बने विरोधी गुटों के विवाद के बाद भड़क उठा था। देखते ही देखते मामला हिंसक झड़पों में बदल गया और जेल परिसर में हालात बेकाबू हो गए। अधिकारियों ने उस समय कहा था कि जेल में क्षमता से कहीं अधिक कैदियों का होना भी हिंसा को नियंत्रित करने में बड़ी बाधा बना।

त्रासदी के बाद बिगड़ा चीन के साथ व्यापार का गणित, त्योहारों से पहले सप्लाई पर संकट, अब तक कितना नुकसान?

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल की भोटेकोशी नदी में आई भयानक अचानक बाढ़ ने चीन के साथ व्यापार को बुरी तरह प्रभावित किया है। इससे त्योहारों के मौसम से पहले चीनी सामान की समय पर सप्लाई और उनकी कीमतों को लेकर चिंता बढ़ गई है। यह जानकारी बुधवार को आई एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक है। द राइजिंग नेपाल अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, अचानक आई बाढ़ ने बॉर्डर के इंफ्रास्ट्रक्चर और जोड़ने वाली सड़कों को नुकसान पहुंचाया है, जिससे चीन से आयातित सामान ले जा रहे कार्गो ट्रकों की आवाजाही बाधित हो गई है। इस वजह से व्यापारियों को वैकल्पिक रास्ते खोजने पड़ रहे हैं, जबकि दशईं, तिहार और छठ जैसे त्योहारों से पहले कंज्यूमर गुड्स (उपभोक्ता सामान) की मांग बढ़ने की उम्मीद है। नेपाल ट्रांस–हिमालयन बॉर्डर कॉमर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राम हरि कार्की ने कहा कि तुरंत मांग पूरी करने के लिए चीन से सामान मंगाना एक चुनौती बन गया है। उन्होंने कहा कि इस रुकावट से त्योहार से जुड़े सामान की सप्लाई पर असर पड़ सकता है और ट्रांसपोर्टेशन का खर्च बढ़ सकता है। उन्होंने कहा, श्चीन से केरुंग की ओर 500 से 600 से ज्यादा चीनी कंटेनर आ रहे थे, जिनमें तीज, दशईं, तिहार और छठ के लिए सामान लदा था। रसुवागढ़ी बॉर्डर के क्षतिग्रस्त होने के बाद इनमें से कई कंटेनर रास्ते में ही फंस गए हैं। इस बीच, बाढ़ में 200 से ज्यादा नेपाली कंटेनर बह गए। उन्होंने कहा, श्बाढ़ में 200 कंटेनर बह गए और व्यापारियों को कम से कम 2 अरब नेपाली रुपये का नुकसान हुआ है। रसुवागढ़ी, चीन के साथ नेपाल के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में से एक है और यहां से बड़ी मात्रा में चीनी सामान का आयात होता है। व्यापारियों के लिए स्थिति और मुश्किल हो गई है क्योंकि नेपाल–चीन व्यापार का एक और अहम रास्ता, तातोपानी बॉर्डर भी ठीक से काम नहीं कर रहा है। कार्की ने बताया कि उत्तर की ओर जाने वाले दोनों मुख्य रास्ते बाधित होने के कारण व्यापारियों को मुस्तांग में कोराला बॉर्डर से सामान ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। कार्की के अनुसार, लगभग 176 कार्गो ट्रक पहले ही कोराला की ओर भेजे जा चुके हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि मुश्किल रास्तों, ज्यादा ऊंचाई और ज्यादा समय लगने के कारण यह रास्ता रसुवागढ़ी का व्यावहारिक और साल भर चलने वाला विकल्प नहीं हो सकता। कार्की ने कहा, श्कोराला बॉर्डर का इस्तेमाल हमारी मजबूरी है, कोई विकल्प नहीं।

कार्की ने कहा कि कोराला रास्ते से चीन से नेपाल तक सामान लाने और वापस जाने में कम से कम 10 से 12 दिन लग सकते हैं, जबकि पहले व्यापारी जो रास्ते इस्तेमाल करते थे, वे इससे छोटे थे।व्यापारियों के अनुसार, कोराला बॉर्डर से काठमांडू तक एक कार्गो वाहन के परिवहन की लागत अभी लगभग 4,50,000 से 5,00,000 नेपाली रुपये है। कार्की ने बताया कि इससे परिवहन लागत में लगभग 10 से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

इसके साथ ही नेपाल पुलिस ने लोगों को सोशल मीडिया पर झूठे और बेबुनियाद दावे फैलाने के खिलाफ चेतावनी दी है। इन दावों में आरोप लगाया गया था कि सुरक्षा एजेंसियों ने अचानक आई बाढ़ (से प्रभावित लोगों के लिए भेजी गई राहत सामग्री तो ले ली, लेकिन उसे बांटा नहीं। यह चेतावनी सीपीएन (यूएमएल) के सेक्रेटरी महेश बसनेत के उन आरोपों के बाद जारी की गई, जिनमें कहा गया था कि राहत सामग्री को सेना और पुलिस की बैरकों और दफ्तरों में रखा गया था।

फिलीपींस के मंत्री को भाषण के बीच चीन ने भेजी धमकी, भड़के नेता ने मंच पर ही पढ़ी, क्या बोले?

दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में रक्षा से जुड़ा एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम चल रहा था। फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के सचिव गिल्बर्ट (रक्षा मंत्री) की टियोडोरो वहां भाषण दे रहे थे। तभी एक व्यक्ति उनके पीछे से आया और उनकी मेज पर एक कागज रख गया। यह कोई सामान्य संदेश नहीं था। इसमें चीन ने दक्षिण चीन सागर विवाद पर अपना पक्ष लिखा था। सबसे हैरत की बात यह रही कि गिल्बर्ट की टियोडोरो ने संदेश को नजरअंदाज करने के बजाय वहीं पढ़ने का फैसला किया। आयोजकों के मुताबिक, यह नोट सियोल स्थित चीनी दूतावास के एक सैन्य अताशे ने भेजा था। उसने पहले नोट एक स्टाफ सदस्य को दिया था। स्टाफ सदस्य ने इसे टियोडोरो के अपने प्रतिनिधिमंडल का संदेश समझ लिया और भाषण के बीच उन्हें सौंप दिया। अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि आखिरी उस चिट्ठी में लिखा क्या था? दरअसल, चिट्ठी में दक्षिण चीन सागर पर चीन का पुराना रुख दोहराया गया था। चीन ने 2016 के मध्यस्थता फैसले को अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ बताया। चिट्ठी भेजने का तरीका भी विवाद की वजह बना। टियोडोरो ने कहा कि इससे उनका ही नहीं, मेजबान दक्षिण कोरिया और सम्मेलन में मौजूद दूसरे लोगों का भी अनादर हुआ।

जिस नोट को टियोडोरो ने पढ़ा उसमें चीन ने लिखा था कि दक्षिण चीन सागर से जुड़े 2016 के मध्यस्थता फैसले ने अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन किया। यह मामला फिलीपींस ने संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि यानी (यूएनसीएलओएस) के तहत चीन के खिलाफ उठाया था। 2016 में ट्रिब्यूनल ने दक्षिण चीन सागर पर चीन के व्यापक ऐतिहासिक अधिकारों के दावों को खारिज कर दिया था। उसने कहा था कि फिलीपींस के विशेष आर्थिक क्षेत्र में संसाधनों पर चीन के दावे का कोई कानूनी आधार नहीं है। चीन ने इस फैसले को स्वीकार नहीं किया। चीन का यह भी कहना है कि इस मामले पर ट्रिब्यूनल को अधिकार ही नहीं था। 2016 का फैसला इस पूरे विवाद का अहम हिस्सा है। फिलीपींस इसे अपने अधिकारों के समर्थन में इस्तेमाल करता है, जबकि चीन इसे मानने से लगातार इनकार करता रहा है। विवाद सिर्फ समुद्री सीमा तक सीमित नहीं है। मामला दक्षिण चीन सागर में संसाधनों और विशेष आर्थिक क्षेत्र पर अधिकार से भी जुड़ा है, जिस पर दोनों देशों के दावे टकराते हैं।

चिट्ठी पढ़ने के बाद टियोडोरो ने चीन के संदेश से ज्यादा उसके तरीके पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस तरह किसी देश से सभ्य तरीके से कैसे बातचीत की जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस कदम से सम्मेलन के आयोजकों और दक्षिण कोरिया का भी अपमान हुआ है। इस दौरान उन्होंने चीन पर कई गंभीर आरोप लगाए। टियोडोरो ने कहा कि यह असल में दबाव बनाना, डराना और आक्रामकता है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन को बुनियादी शिष्टाचार और व्यवहार सीखने की जरूरत है। कुछ शर्म रखना चाहिए। टियोडोरो ने इसके बाद उस व्यक्ति की ओर भी ध्यान दिया, जिसने नोट पहुंचाया था। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि उसने अपने देश के लिए बहुत अच्छा काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि इसके लिए उसे किसी गुलाग यानी बंधुआ मजदूर शिविर में सजा नहीं भुगतनी पड़ेगी। इसके बाद टियोडोरो ने साफ किया कि फिलीपींस दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों को लेकर गंभीर चिंता में है। उन्होंने कहा कि उनके देश को रोजाना चीन की ओर से चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

टियोडोरो के मुताबिक, चीन फिलीपींस के क्षेत्र और खासकर उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र में अपना कब्जा और मौजूदगी कायम करने की कोशिश करता है।

जवाब में तेहरान ने जॉर्डन पर दागीं मिसाइलें, क्या फिर बढ़ेगा तनाव?

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से ज्यादा समय से युद्ध चल रहा है। मंगलवार को तनाव फिर बढ़ गया। अमेरिकी सेना ने ईरान के पांच तेल टैंकरों को तबाह कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने पिछले दो दिनों में अमेरिकी नौसैनिक जहाज को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी। अमेरिकी युद्धपोत दोनों हमलों से बच गया और गश्त जारी रखी। इन हमलों में कोई अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ। इसके जवाब में अमेरिका ने पांच टैंकरों को निशाना बनाया। किविक, चार्मिनार, होराइजन–1 और रिस्को टैंकर गल्फ ऑफ ओमान में थे। पांचवां जहाज डेर्या स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में खर्ग द्वीप के पास था। अमेरिका ने इन्हीं जहाजों को निशाना बनाया है। अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, उसने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों की ओर मिसाइलें दागीं। जॉर्डन अमेरिकी सहयोगी है और वहां अमेरिकी सैनिक भी तैनात हैं। जॉर्डन की सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। दो अन्य मिसाइलें ऐसे इलाकों में गिरीं, जहां कोई आबादी नहीं थी। जॉर्डन ने किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।